दैनिक
# पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 181 | ग्वालियर शनिवार, 22 अप्रैल 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

### पुंछ हमले का 7 आतंकियों ने बनाया प्लान

# रॉकेट लॉन्चर से किया था हमला

# शहीद हुए सेना के 5 सपूत

**नई दिल्ली।** जम्मू कश्मीर के पुंछ में गुरुवार (20 अप्रैल) को हुए आतंकी हमले में सेना के 5 जवान शहीद हो गए. आतंकियों की इस कायराना हरकत के बाद सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी खबर मिली है. जिसके मुताबिक, हमले के बाद से इस इलाके में पाकिस्तान के कुल 7 आतंकी अलग-अलग ग्रुप में छिपे हुए हैं. इन्होंने ही इस घटना को अंजाम दिया था. सेना ने पूरे इलाके को सीज करके आतंकियों की तलाश करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया हुआ है. खुफिया सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को सेना पर हमला करने वाले आतंकवादियों ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के राजौरी में सक्रिय ग्राउंड टेररिस्ट की मदद से इस घटना को अंजाम दिया है. इससे पहले, सूत्रों ने जानकारी दी थी कि सेना पर हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने ली थी. हालांकि



सेना को संदेह है, संभावना है कि इस हमले में लश्कर के आतंकवादी भी शामिल थे. सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इस सवाल का जवाब ढूंढ़ने में लगी हैं कि क्या आतंकियों ने राजौरी और पुंछ के रास्ते पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रास्ते भारत में घुसपैठ की थी. खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छ्द्दरू और स्द्गञ्ज के आतंकियों को कई जगहों पर इकट्ठा होने के लिए कहा गया था और उनको पास के गांवों में पनाह दी गई थी. इस हमले के बाद अलर्ट मोड पर आई सेना ने बाटा-डोरिया क्षेत्र (जहां पर वारदात हुई) के जंगल में सुरक्षा बलों ने काफी आक्रामक सर्च ऑपरेशन चलाया है. अधिकारियों ने कहा, उन्होंने पूरे इलाके को घेर लिया है और आतंकियो को खोजने के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कर रहा है. सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक सीमावर्ती राजौरी और पुंछ जिलों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है साथ ही नियंत्रण रेखा के पास कड़ी निगरानी रखी जा रही है. उन्होंने बताया कि आतंकी हमले के बाद भीम्बर गली-पुंछ मार्ग पर वाहनों का यातायात रोक दिया गया है और लोगों को मेंढर के रास्ते पुंछ जाने की सलाह दी गई है.

## एक नजर

### गेस्ट हाउस कांड, राजू पाल का मर्डर... आखिर कैसे मायावती ने इस साल जनवरी में अतीक के गुनाहों को कर दिया माफ

**नई दिल्ली।** बाहुबली अतीक अहमद की मायावती के साथ अदावत पुरानी थी. ये साल 1995 की घटना है, जब समाजवादी पार्टी सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव अपनी सरकार बीएसपी के कांशीराम और उनके उत्तराधिकारी मायावती के समर्थन की बदौलत चला रहे थे. ऐसी चर्चा अचानक गरमाने लगी कि सरकार से बीएसपी अपना हाथ खींच सकती है. सियासी तापमान आसमान पर था. समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं को इस बात की भनक लग चुकी थी कि मायावती अपने पार्टी विधायकों के साथ लखनऊ के सरकारी गेस्ट हाउस में बैठक कर सरकार से अलग होने के फैसले को अंतिम रूप दे रहीं थीं. इसके बाद अचानक भीड़ ने कमरे को घेर लिया. उन्हें गालियां दी गई और उनके साथ अभद्रता का सलूक किया गया. इस घटना ने वर्षों तक समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के संबंधों को ध्वस्त करके रख दिया. गेस्ट हाउस कांड के उन आरोपियों में से एक शख्स था समाजवादी पार्टी का बाहुबली अतीक अहमद. इस घटना के बाद मायावती का बड़ा दुश्मन अतीक बन गया. साल 2002 में अतीक अहमद को जब कोर्ट से जेल लाया जा रहा था, उस वक्त हमले किए गए. अतीक ने इसके लिए मायावती पर जान से मरवाने की कोशिश का आरोप लगाया. इसके बाद 2005 में बीएसपी के इलाहाबाद वेस्ट से पार्टी के विधायक राजूपाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने बताया कि राजूपाल की हत्या के लिए अतीक और उसके भाई अशरफ ने साजिश रची और उसका मर्डर करवाया. समाजवादी पार्टी के साथ अपनी दुश्मनी को भूलाने में मायावती को कई साल लग गए. आखिरकार समाजवादी पार्टी और बीएसपी आपसी कड़वाहट को भुलाकर एक दूसरे के साथ आई, लेकिन मायावती ने तब भी अतीक अहमद को माफ नहीं किया. लेकिन, इस साल जनवरी में मायावती ने अपने दरवाजे खोल दिए. उन्होंने अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन का बीएसपी में स्वागत किया और कहा कि प्रयागराज से वे उनकी पार्टी की मेयर उम्मीदवार होंगी.

### केदारनाथ यात्रा तैयारियों में मौसम की मार

**नई दिल्ली।** केदारनाथ यात्रा पर मौसम की मार देखने को मिल रही है. इस बार बर्फबारी देर से होने के कारण जहां यात्रा तैयारियां भी देर से शुरू की गई, जबकि पुनर्निर्माण के कार्य भी देर से ही शुरू हो पाए हैं. जबकि केदारनाथ धाम में दो दिनों से हुई बर्फबारी के कारण 2 से तीन फीट तक नयी बर्फ जम चुकी है, जिसे साफ करने में डीडीएमए के मजदूर जुटे हैं. अभी भी धाम में बर्फबारी हो रही है. प्रकृति के सामने प्रशासन भी नतमस्तक दिखाई दे रहा है. बता दें कि ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, लेकिन धाम में हो रही बर्फबारी के कारण यात्रा तैयारियों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. धाम में दो दिनों से लगातार बर्फबारी जारी है. ऐसे में जहां यात्रा तैयारियों में अड़चने पैदा हो रही हैं, वहीं पुनर्निर्माण कार्य भी ठप पड़ चुके हैं. धाम में डीडीएमए और अन्य संस्थाओं के मजदूर बर्फ को साफ करने में जुटे हैं, जिससे धाम में यात्रा व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जा सके. साथ ही पुनर्निर्माण के कार्य भी किये जा सकें. मगर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण कार्य करने में दिक्कतें हो रही है. धाम में हो रही बर्फबारी के कारण जिला प्रशासन के सामने यात्रा तैयारियों को पूरा करना भी चुनौती बन गई है. जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि विगत दो दिनों से मौसम खराब होने से केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग में व्यवस्थाओं और कार्यों में व्यवधान हो रहा है. भैरव गदेरे के समीप ग्लेशियर आने के कारण यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया था और केदारनाथ धाम में कुछ पेयजल लाईनें, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त एवं बनाए जा रहे टैंट को क्षति हुई है. मयूर दीक्षित ने कहा कि केदारनाथ धाम और यात्रा मार्ग में व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने में लगे श्रमिकों द्वारा कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए बर्फ हटाने और व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि केदारनाथ अवरुद्ध यात्रा मार्ग को आवागमन के लिए सुचारू कर दिया गया है और संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को त्वरित गति से करने के निर्देश दिए गए हैं. ताकि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण हो सकें.

### असद की चैट से बड़ा खुलासा



पुलिस एनकाउंटर में मारे गए अतीक अहमद के बेटे असद की मोबाइल चैट से बड़ा खुलासा हुआ है. असद और उसके वकील की मोबाइल चैट सामने आई है. वकील खान सौलत हफ ने हत्याकांड से 5 दिन पहले उमेश पाल की फोटो असद को भेजी थी. 19 फरवरी, 2023 को वकील ने असद के मोबाइल पर उमेश पाल की फोटो भेजी थी. इसके ठीक पांच दिन बाद 24 फरवरी को उमेश पाल की प्रयागराज में दिन दहाड़े गोली और बम से हमला कर हत्या कर दी गई थी. इस दौरान उमेश पाल की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई थी. उमेश पाल 2005 में हुए विधायक राजू पाल हत्याकांड में अहम गवाह थे. इस हत्याकांड में अतीक के बेटे असद को भी सीसीटीवी फुटेज में देखा गया था. उमेश पाल की पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अतीक अहमद, अशरफ, अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, अतीक के दो बेटों, सहयोगी गुड्डू मुस्लिम, गुलाम और 9 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया था.

### निकाय चुनाव में बीजेपी के बागियों ने बढ़ाई मुसीबत, निर्दलीय भरा नामांकन, लखनऊ से आगरा तक खोला मोर्चा



**नई दिल्ली।** यूपी नगर निकाय चुनाव में बीजेपी के बागियों ने सिरदर्द बढ़ा दिया है. सबसे बड़ी बात ये है कि पार्टी के अंदर आगरा से लेकर लखनऊ तक कई जनपदों में टिकटों को लेकर बगावत देखने को मिल रही है. कई नेता तो अब पार्टी के विरोध में ही खुलकर सामने आ गए हैं. उन्होंने बीजेपी से टिकट न मिलने पर निर्दलीय नामांकन भर दिया. ऐसे में गुरुवार को जब पहले चरण के लिए नामांकन वापसी का आखिरी दिन था तो बीजेपी ने मिशन बागी बिठाओ अभियान चलाया और बागियों को समझा-बुझाकर उनका नामांकन वापस कराया लेकिन अब भी कई नेताओं में बगावत कायम है. नगर निकाय चुनाव में बीजेपी में सबसे ज्यादा टिकटों को लेकर मारामारी देखने को मिल रही हैं. एक-एक सीट के लिए कई नेताओं-नेताओं ने आवेदन दिया था, ऐसे में बीजेपी के सामने अपने सभी कार्यकर्ताओं को खुश रखते हुए पार्टी का प्रत्याशी चुनने की बड़ी चुनौती थी. जिन नेताओं को बीजेपी से टिकट नहीं मिल पाया वो बागी हो गए और उनमें से कई ने तो निर्दलीय ही नामांकन भर दिया. बीजेपी जानती है कि अगर इन बागी नेताओं को मनाया नहीं गया या फिर इसी तरह संगठन के भीतर नाराजगी रही तो उसका खामियाजा पार्टी को चुनावों में उठाना पड़ सकता है. टिकटों को लेकर पार्टी में बढ़ती बगावत को देखते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने तामाम जिलों में बागी उम्मीदवारों को मनाने दिग्गज नेताओं को जिम्मेदारी दी गई. पहले चरण के लिए नामांकन वापसी का आखिरी दिन यानी 20 अप्रैल को दिनभर बागियों को मनाने का काम किया गया. पार्टी की ओर से हर जनपद में विधायकों, सांसद और जिला परिषद के पदाधिकारियों को ये जिम्मेदारी दी गई थी. हालांकि इसमें बीजेपी को काफी सफलता भी हासिल हुई. बागियों को भरोसा दिलाया गया कि भले ही उन्हें टिकट नहीं मिल पाई हो लेकिन पार्टी और सरकार में उन्हें उचित तरीके से समायोजित किया जाएगा. पार्टी ने बागी नेताओं का नामांकन वापस कराने के लिए पूरा जोर लगा दिया, ताकि पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार की जीत में कोई रुकावट न आ सके. बीजेपी को इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली, कई बागियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया, लेकिन अब भी कई ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया है और वो निर्दलीय खड़े होकर अपनी ही पार्टी के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं.

## चीन से निपटने के लिए भारत बना रहा है नई सेना

**नई दिल्ली।** दो साल पहले देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ दिवंगत जनरल बिपिन रावत ने चेतावनी दी थी कि चीन की अक्रामकता बढ़ती जा रही है. चीन ईरान और तुर्की के साथ मैत्रीपूर्ण पहल के बाद जल्द ही अफगानिस्तान में कदम रखेगा. जनरल रावत ने सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत का हवाला दिया था और पश्चिम देशों के मुकाबले इस्लामी दुनिया के साथ चीन के बढ़ते संबंधों का भी जिक्र किया था. उसी दौरान रावत ने %रॉकेट फोर्स% का भी जिक्र किया था. अब चीन से बढ़ते खतरों के बीच भारत रॉकेट फोर्स बनाने की तैयारी में है. भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने प्रलय और निर्भय लंबी दूरी की मिसाइलों का विकास पूरा कर लिया है. जल्द ही भारतीय रक्षा मंत्रालय 7500 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की 250 यूनिट का ऑर्डर देने वाला है. बता दें कि ये कदम पिछले साल दिसंबर में रक्षा मंत्रालय से भारतीय वायु सेना के लिए इन मिसाइलों की नई यूनिट को मंजूरी देने के बाद उठाया गया है. रक्षा सूत्रों का कहना है कि



प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की ये इकाइयां रॉकेट फोर्स बनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है. एक प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलें 150 से 500 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम होती हैं. इस मिसाइल को सबसे पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाएगा और उसके बाद भारतीय सेना में शामिल किया जाएगा.

युद्ध या सैन्य कार्रवाई के बारे में जब भी बात आती है तो हमारे जहन में सैनिकों, टैंकों और लड़ाकू विमानों की एक छवि बनती है. लेकिन युद्ध के लिए यह दृष्टिकोण अब पुराना होता जा रहा है. भविष्य के युद्धों में तेजी हासिल करने और निर्णायक रूप से दुश्मन के रणनीतिक और आवश्यक बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए मिसाइलें बहुत जरूरी हो गयी हैं. मिसाइल लंबी दूरी तक बिना जनहानि के प्रभावी तरीके से हमला करने में कारगर होती हैं. यही वजह है कि दुनियाभर के शक्तिशाली देश अब सेना के अलग रॉकेट फोर्स का गठन कर रहे हैं. रॉकेट फोर्स देश की मिसाइलों को ऑपरेट करती हैं. इन मिसाइलों का काम सेना, वायु सेना और नौसेना के साथ मिलकर दुश्मन के ठिकाने पर हमला करना होता है. बता दें कि भारत में अभी तक रॉकेट फोर्स का काम कोर ऑफ आर्टिलरी करती हैं. इसमें टैंक, तोप और मिसाइलें भी शामिल हैं.

## कर्नाटक में दो किसानों की हिट एंड रन से मौत

**नई दिल्ली।** कर्नाटक के बेलगावी जिले में शुक्रवार को एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो किसानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. मृतकों की पहचान 65 वर्षीय महाबलेश्वर शिंधे और 75 वर्षीय पुंडलिका रेडेकरा के रूप में हुई है. वहीं कृष्ण रेडेकरा (74) गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मंजूनाथ कागीनाकारा (47) मामूली रूप से घायल हो गए. पुलिस के मुताबिक घटना खानपुर तालुक के गोधुली गांव में धारवाड़-रामनगर राज्य राजमार्ग पर हुई. किसान अपने खेतों में गन्ने की फसल के लिए सिचांई करने जा रहे थे. तभी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया. लोगों के सहयोग से उन्हें भर्ती कराया गया. खानपुरा के कांग्रेस विधायक अंजलि निंबालकर ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों का हालचाल लिया. उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. हिट एंड रन के मामले कर्नाटक में ज्यादा होते हैं. साल के शुरुआत में ही दर्दनाक हिट एंड रन हुआ था. इस घटना में तीन को हुई थी. ये घटना अनागोड़ा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर हुई थी. आंकड़ों के अनुसार कर्नाटक में साल 2019 और 2023 जनवरी तक चार वर्षों में 4549 हिट एंड रन मामलों में 952 लोगों की मौत हुई और



युवकों की मौत हो गई थी. हालांकि इस घटना में पुलिस को पता चला था कि ये तीनों पीड़ित ट्रक लूटने वाले थे लेकिन ट्रक ड्राइवर ने कुचल दिया था. इसके बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया. ये घटना 10 फरवरी 3,807 लोग घायल हुए. इसके बाद हिट एंड रन में घायलों के परिवार के सदस्यों को 50,000 रुपये तक सहायता राशि और मृतक के परिवार को शोक संतप्त 2 लाख रुपये तक मिल सकते हैं.

## सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा समीक्षा पर पीएम मोदी ने की हाई-लेवल मीटिंग

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीकी देश सूडान में फंसे भारतीयों के सुरक्षा हालातों के मद्देनजर एक हाईलेवल मीटिंग बुलाई है. सूत्रों के हवाले से मिली शुक्रवार (21 अप्रैल) को इस खबर के सामने आने के बाद संभावना जताई जा रही है कि पीएम नरेंद्र मोदी सूडान में फंसे भारतीयों की स्थिति पर अपडेट लेने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने को लेकर भी बड़ा फैसला ले सकते हैं. दरअसल, दक्षिण अफ्रीकी देश सूडान में बीते एक हफ्ते से गृहयुद्ध जारी है. सूडानी सशस्त्र बल और पैरामिलिट्री फोर्स के बीच हुई इस जंग में सूडान के मासूम लोग पिस रहे हैं. इतना ही नहीं सूडान में चल रहे गृहयुद्ध में कई भारतीय भी फंसे हुए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस गृहयुद्ध में फंसे एक भारतीय की मौत हो गई है. वहीं, 300 से ज्यादा भारतीयों के अभी भी फंसे होने की आशंका है. गृहयुद्ध में घिरे सूडान के कई शहरों में लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है. बताया जा रहा है कि अब तक इस युद्ध में 270 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं, 2500 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं. हालात इस कदर बदतर हो गए हैं कि राजधानी खार्तूम को छोड़कर बड़ी संख्या में लोग भाग गए हैं. बताया जा रहा है कि मरने वाले शख्स का नाम अल्बर्ट ऑगस्टीन था और वो डाल ग्रुप के लिए काम करता था. उसकी मौत गोली लगने से हुई थी, जिसे किसी अज्ञात शख्स ने चलाया था. भारत सरकार और खार्तूम में स्थित भारतीय दूतावास ने गुरुवार (20 अप्रैल) को भारतीय नागरिकों को सूडान में शेल्टर में जाने की सलाह दी. अधिकारियों ने कहा कि इन लोगों की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए तत्काल योजनाएं बनाई गई हैं. हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि अभी के लिए हमारी सलाह है, वो (भारतीय नागरिक) जहां हैं वहीं रुकें. वहीं पर ही सुरक्षित ठिकानों में चले जाएं. जब तक हालात न सुधरें, कहीं और जाने की कोशिश न करें. खार्तूम में स्थित दूतावास के मुताबिक, सूडान में करीब 2800 भारतीय फंसे हुए हैं.

## गोधरा कांड के 8 दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत, 4 की रिहाई से जजों ने किया मना

**नई दिल्ली।** गुजरात के गोधरा में 2002 में ट्रेन के कोच में आग लगाकर 59 लोगों की हत्या करने के दोषी 8 लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (21 अप्रैल) को जमानत दे दी. सभी दोषियों को निचली अदालत और हाई कोर्ट से उम्रकैद की सजा मिली थी. 17-18 साल जेल में बिताने के आधार पर दोषियों को जमानत दी गई है. सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत से फांसी की सजा पाने वाले 4 दोषियों को जमानत से मना कर दिया है. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने 8 दोषियों को जमानत दी. अदालत ने इसी साल 20 फरवरी को दोषियों की आयु और कारागार में बिताए गए समय समेत उनकी डिटेल मांगी थी ताकि फैसला करने में मदद मिल सके. कोर्ट में गुजरात सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रखा. मेहता ने 2017 के गुजरात हाई कोर्ट के उस फैसले पर कड़ी



असहमति जताई जिसमें 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया था. पिछले साल 13 मई, 2022 को कोर्ट ने दोषियों में से एक अब्दुल रहमान धंतिया उर्फ कांकट्टो को छह महीने के लिए इस आधार पर अंतरिम जमानत दी थी कि उसकी पत्नी टर्मिनल कैंसर से पीड़ित थी और उसकी बेटियां मानसिक बीमारी से गुजर रही थीं. 11 नवंबर 2022 को कोर्ट ने उसकी जमानत 31 मार्च 2023 तक बढ़ाई थी. पिछले वर्ष दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद काट रहे फारूक नाम के दोषी को इस आधार पर जमानत दे दी थी कि वह 17 साल की सजा काट चुका है और मामले में उसकी भूमिका ट्रेन में पथराव की थी. बता दें कि 27 फरवरी, 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगाई गई थी. कोच में कारसेवक सवार थे, जो अयोध्या से आ रहे थे. 58 लोगों की जलकर मौत हो गई थी. भारत के विभाजन के बाद गोधराकांड ने देश के सबसे वीभत्स सांप्रदायिक दंगे को जन्म दिया. मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा सुनाई गई और बाकी 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई. 63 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया था. 2017 में गुजरात हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया और अन्य 20 को दी गई उम्रकैद को बरकरार रखा था. दोषियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका 2018 से लंबित थी.

# शांति एवं सौहार्द के साथ मनाएं त्योहारः एसडीएम

## आगामी त्योहारों को लेकर सद्भावना एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित

**अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी- ईद-उल-फितर, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को, बुद्ध पूर्णिमा 5 मई को, ईदुज्जुहा 29 जून को, मोहर्रम का त्योहार 29 जुलाई को मनाया जाएगा। इन त्योहारों को शांति एवं सौहार्द पूर्वक मनाने की दृष्टि से सद्भावना एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम दिनेश चंद शुक्ला और एसडीओपी संजय चतुर्वेदी ने बैठक में उपस्थित सदस्यों से कहा कि सभी त्योहार शांति एवं सौहार्द के साथ और आपसी भाईचारे के साथ मनाए जाएं। इसमें समाज के सभी गणमान्य नागरिकों की भी अहम भूमिका होती है। बैठक में सभी से व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव लेते हुए नगर पालिका सीएमओ को साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग के संबंध में निर्देश दिए हैं। इसके अलावा ईद उल फितर के त्योहार पर ईदगाह पर नमाज अदा की जाएगी। इस दौरान प्रमुख मार्गों पर साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। ईद को लेकर एसडीएम ने निर्देशित किया कि सुबह 5 बजे नल खोले जाए एवं विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से चालू रखे, पार्किंग की व्यवस्था हेतु

नगर निरीक्षक, सीएमओ से मिलकर उचित स्थान नियत करें, जिसमें नमाजियों की सुविधा का ध्यान भी रखा जाए। इसी दिन परशुराम जयंती मनाई जाएगी। लेकिन चल समारोह अगले दिन अर्थात 23 अप्रैल को निकाला जाएगा। डीजे बजाने को लेकर प्रशासन ने अपील की है कि इसके तेज आवाज से लोगों का जन जीवन असुरक्षित हो जाता है, इसलिए आज से किसी भी समारोह में डीजे की अनुमति नहीं दिए जाने का निर्णय भी लिया गया। जिस पर मौजूद सदस्य दमयंती मिश्रा ने कहा कि हम भगवान परशुराम का चल समारोह शांति प्रिय ढंग से निकालेंगे, जिससे अन्य लोगो को इससे प्रेरणा मिलेगी।

**एसडीएम एवं एसडीओपी ने त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु की अपील**-बैठक में नगर निरीक्षक सतीश चौहान, नायब तहसीलदार ओ.पी.तिवारी, सीएमओ ताराचंद धूलिया, विद्युत विभाग ए.ई.जे.एम.श्रीवास्तव, मुस्लिम समाज से नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष असलम खान (चिक्कू), ब्राह्मण समाज से अध्यक्ष विनय दुबे, श्रीमती दमयंती मिश्रा, विनय मिश्रा, मंगल सिंह कुशवाह सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकार गण मौजूद रहे।

## मोहर सिंह केवट बने श्रमिक कांग्रेस कमेटी के शिवपुरी जिला सचिव

**संवाददाता प्रदीप जैन**

**रन्नौद।** मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी के निर्देश अनुसार श्री जे.पी. धनोरिया जी और श्रमिक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री बी.डी. गौतम जी के अनुमोदन से शिवपुरी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विजय सिंह चौहान जी और शिवपुरी जिला कांग्रेस प्रभारी रश्मि पवार जी की अनुशंसा से श्रमिक कांग्रेस शिवपुरी जिला अध्यक्ष राकेश मिश्रा जी के द्वारा मोहर सिंह केवट रन्नौद को श्रमिक कांग्रेस कमेटी शिवपुरी से सचिव नियुक्त किया गया श्री मोहर सिंह केवट जी के सचिव नियुक्त होने पर उन्होंने बताया कि मैं माननीय कमलनाथ जी की विचारधारा को घर घर पहुंच जाऊंगा और दिन-रात पूरी निष्ठा ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस को हर गरीब तबके गली मोहल्ला गांव शहर तक लेकर जाऊंगा और पुनः कांग्रेस की सरकार बनवाने में पूरा योगदान समर्पित करूंगा और मोहर सिंह जी के जिला सचिव बनने पर समस्त क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं दी जिनमें जय किशन मांझी., मानसिंह फौजी, कमलकिशन केवट, अजयवीर सिंह राजावत, महिंद्र माझी, नारान केवट, राहुल बाथम, सुनील केवट, राकेश केवट, नेतराम बाथम, संजू भाई, शिवचरन जी, गुड्डू राजावत व आदि लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

# कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव आईटीआई शिवपुरी में 26 अप्रैल

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

**शिवपुरी।** वैकमेट इंडिया उज्जैनी प्लांट जिला धार द्वारा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) शिवपुरी में 26 अप्रैल को प्रातः 10 बजे आईटीआई, डिप्लोमा, बी.ई. के उत्तीर्ण छात्रों के लिए कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शिवपुरी के प्राचार्य ने बताया कि वैकमेट इंडिया द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में पुरुष आवेदकों की आयु सीमा 18-25 वर्ष निर्धारित है एवं जिनका आईटीआई फिटर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक (वर्ष 2020, 2021, 2022 एवं 2023) के पास आउट छात्र (केवल शासकीय आईटीआई के छात्र), डिप्लोमा- मैकेनिकल (वर्ष 2021, 2022 एवं 2023) के पास आउट छात्र एवं बीई मैकेनिकल (वर्ष 2022 एवं 2023) के पासआउट छात्रों को प्लेसमेंट ड्राइव में सम्मिलित होने का

अवसर मिलेगा।
कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में ट्रेनी एसोसिएट (जूनियर एसोसिएट) पद के लिए आईटीआई फिटर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक (वर्ष 2020, 2021, 2022 एवं 2023) के पास आउट छात्र आवेदन कर सकते है। जिसमें प्रतिमाह ऑन कन्फर्मेशन ग्रॉस सैलरी 13230 रूपए, एनुअल वोनस 21732 रूपए, पीए, ग्रेज्युटी, पीएफ, एक हजार रूपए आवास के लिए देय होगे। जीईटी (सिफ्ट इंजीनियर) पद के लिए बीई मैकेनिकल (वर्ष 2022 एवं 2023) के पास आउट छात्र आवेदन कर सकते है। जिसमें प्रतिमाह ऑन कन्फर्मेशन ग्रॉस सैलरी 18293 रूपए, एनुअल वोनस 21732 रूपए, पीए, ग्रेच्युटी, पीएफ, एक हजार रूपए आवास के लिए देय होगे। इसी प्रकार डीईटी (असिस्टेंट एक्सक्यूटिव) पद के लिए डिप्लोमा- मैकेनिकल (वर्ष 2021, 2022 एवं 2023) के पास आउट छात्र आवेदन कर सकते है। जिसमें प्रतिमाह ऑन कन्फर्मेशन ग्रॉस सैलरी 15450 रूपए, एनुअल वोनस 21732 रूपए, पीए, ग्रेज्युटी, पीएफ, एक हजार रूपए आवास के लिए देय होगे।

## पवई विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी शुरू हो गई है

**संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा**
**पुष्पांजली टुडे**

**पवई।** पन्ना जिले की पवई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले रिटायर्ड एसडीओ जवाहर लाल कुशवाहा जी ने पवई विधानसभा के रायपुरा क्षेत्र में विकास की कमियों को लेकर राजनीति में आने का फैसला लिया है जिसमें आज रायपुर क्षेत्र में कई गांवों में भ्रमण किया और क्षेत्र से समस्याओं को लेकर विधानसभा में पहुंचाने और चुनावी समय में उन समस्याओं को लेकर चुनाव में लड़ने का फैसला लिया है यदि जनता का समर्थन मिलता है तो श्री कुशवाहा जी पवई विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे और क्षेत्र की समस्याओं को हल करने का पढ़ लिया है पन्ना जिले की पवई विधानसभा पिछड़ी विधानसभा कहलाती है अभी वर्तमान में पिछड़ा वर्ग से विधायक प्रहलाद लोधी जो भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह विजई हुए थे किंतु उनके कार्यकाल में क्षेत्र को सही तरीके का विकास नहीं प्राप्त है जिससे पवई क्षेत्र की जनता असंतुष्ट है और अपने पवई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रत्याशी को अपना विधायक चुनना चाहती और अपने समस्याओं को लेकर पवई क्षेत्र के लोकल का प्रत्याशी नेतृत्व करता को विजई बनाकर विधानसभा में भेजने का काम करने वाली है जिसमें श्री कुशवाहा जी पूरी लगन मेहनत के साथ विधानसभा में समस्याओं को लेकर पहुंचने का संकल्प लेते हैं।

# ग्वालियर योग महोत्सव की रंगारंग शुरुआत

## पहले दिन पांच हजार से अधिक नागरिक और विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास और ध्यान

**महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हार्टफुलनेस संस्था द्वारा तीन दिवसीय योग महोत्सव शुक्रवार को एलएनआईपीई के क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। पहले दिन पांच हजार से अधिक शहरवासियों, 500 पुलिसकर्मी , विद्यार्थियों ने योग्याभ्यास किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत श्री कृपाल सिंह संत श्री ढोली बुआ महाराज, हार्टफुलनेस के ट्रस्टी संजय सहगल, क्षेत्रीय समन्वयक गजेंद्र गौतम,संभागीय आयुक्त दीपक सिंह एलएनआईपीई के कुलपति श्री पांडे जी विद्यालय के कुलपति जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अविनाश तिवारी तथा उपस्थित थे। एलएनआईपीई के योग प्रशिक्षक ने मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये व्यायाम तथा मुद्रा अभ्यास कराये। योगाभ्यास के बाद हार्टफुलनेस ट्रेनर गोरख पारुलकर ने प्राणाहूति से युक्त हार्टफुलनेस ध्यान कराया गया। इसमें पहले रिलेक्सेशन की विधि समझायी। पूरे शरीर को शिथिल करने की तकनीक बताई गई। ने ध्यान कराया। जिसमें अंतर्मन में ईश्वरीय प्रकाश की अनुभूति कराई गई। सभी ने इसे महसूस किया। इस अवसर परडीआईजी कृष्णा बेनी, डीआईजी रुचि वर्धन, सेवानिवृत संभागायुक्त एमबी ओझा, पीटीएस तिघरा की एसपी सुमन गुर्जर,डॉक्टर राहुल सप्रा जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर, जिले के समस्त योग प्रभारी,प्राचार्य एवं शिक्षक ब्रह्मकुमारी, पतंजलि योग समिति, भारतीय योग संस्थान समेत शहर की योग एवं सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रवि द्विवेदी तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक अर्चना शर्मा द्वारा किया गया।

## बीजेपी के गुलाम हो चुके अधिकारियों को 6 महीने बाद कांग्रेस सरकार सिखाएगी सबकः डॉ. गोविंद सिंह

**पुष्पांजली टुडे**

मुरैना । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बीजेपी के गुलाम हो चुके अधिकारियों को 6 महीने बाद कांग्रेस की सरकार चुन-चुन कर सबक सिखाएगी। यह बयान नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने शुक्रवार को मुरैना प्रवास के दौरान मीडिया के सामने दिया है। दरअसल नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह अपने 1 दिन के प्रवास पर मुरैना पहुंचे। यहां वे मीडिया से रूबरू होकर मीडिया के सवालों के जवाब दिए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधा और उन्हें चेतावनी भरे लहजे में संदेश दे डाला। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने मीडिया के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में संदेश दिया कि जो अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के गुलाम हो गए हैं, जिन अधिकारियों ने अपना ईमान भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के चरणों में गिरवी रख दिया है, प्रजातंत्र का गला घोंट रहे हैं, ऐसे अधिकारी 6 महीने इंतजार करें। उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि जिन अधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बनकर,भाजपा के गुलाम बनकर, नियम और कानून के विपरीत आम जनता पर जुल्म ढा रहे हैं, मनमानी तरीके से निर्णय ले रहे हैं और भ्रष्टाचार कर रहे हैं । डॉ. सिंह ने कहा कि 6 महीने के बाद उन्हें कांग्रेस की सरकार में ऐसे अधिकारियों को चुन - चुन कर सबक सिखाया जाएगा और उन्हें सिखाया जाएगा की नौकरी कैसे की जाती है।

## महगांई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के सवाल पर सरकार मौनः विधायक सिकरवार

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के इंद्रगंज ब्लॉक में आज शाम 4 बजे जैन मंदिर के पास इंद्रगंज चौराहा पर कांग्रेस के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, मण्डल पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी, कांग्रेस पार्षद एवं सैक?ो कार्यकर्ता एकत्रित हुये। इंद्रगंज चौराहा से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोडो' यात्रा बृहद स्तर पर ढोल-तासों के साथ कांग्रेस के झण्डे कार्यकर्ता हाथों में लेकर यात्रा प्रारम्भ हुई। वहां से यात्रा गऊघाट, मण्डी कमेटी, गीता कॉलोनी से दाल बाजार तिराहा, अरगडे की गली, बॉम्बे बेकरी, कासिम खॉ का बाडा की समस्त गलियों में घर-घर जाकर संपर्क किया और भाजपा द्वारा चलाई जा रही जनविरोधी योजनाओं के बारे में बताया। यात्रा के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि भाजपा सरकार ने व्यापारियों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं एवं अन्य किसी भी वर्ग के लिये कोई भी जनकल्याण कारी योजनायें नहीं शुरू की है। प्रदेश का शिक्षित युवा बेरोजगार स?को पर घूम रहा है या मजदूरी कर रहा है। युवाओं के रोजगार के लिये प्रदेश सरकार ने काई भी योजना या उद्योग शुरू नही किये है। जो भी उद्योग कांग्रेस सरकार में शुरू किये गये थे, उन्हे भी सरकार द्वारा बंद किया जा रहा है या उद्योगपतियों को बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तो भाजपा का राजनीतिक स्तर इतना गिर चुका है कि अगर जनता इन्हे वोट नही देती है तो विधायकों को खरीद कर सरकार बना लेती है। 'हाथ से हाथ जोडो' यात्रा में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, जिला संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, एम.आई.सी. सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र चौहान, अनूप शिवहरे, विजय बहादुर त्यागी, सुरेश प्रजापति, ब्लॉक प्रभारी के.के. शर्मा , सुरेन्द्र साहू, राजेश तोमर, श्रीमती वीणा भारद्वाज, प्रमोद जैन आदि सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## पुलिस ने नाबालिग बच्चे की हत्या के आरोपीगण को किया गिरफ्तार

**पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड (रौन)।** पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशन एवं एसडीओपी लहार के मार्गदर्शन मे मछण्ड थाना रौन मे हुये नाबालिग बालक गुल्लू के हत्या के आरोपीगण को 48 घंटे मे गिरफ्तार किया गया। दिनांक 19/04/2023 को ग्राम मछण्ड का रहने वाला 05 वर्षीय बालक घर से शाम 04 बजे कोचिंग पढने गया था जो कि शाम 06 बजे तक घर नही लौटा जिसकी परिजन ने तलाश की तो 05 वर्षीय नाबालिग पडोसी के मकान मे ऊपर वाले कमरे मे के अंदर मिला जिसका गला हाथ कपडे से एवं पैर तार से बँधे मिले जिसे लेकर परिजन तत्काल रौन कूलर अस्पताल पहुँचे जहाँ डॉक्टर ने नाबालिग को मृत घोषित कर दिया। उक्त घटना पर से थाना रौन पर अपराध क्रमांक 89/2023 धारा 302, 201, 120 बी, 34 भादवि मे 04 आरोपियो के विरुद्ध पंजीबद्ध किया। अपराध के आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु एसडीओपी लहार द्वारा थाना प्रभारी रौन

निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपीगण की पतारशी हेतु रवाना किया गया। टीमो के द्वारा तत्काल आरोपीगण की पतारशी की जाकर आज दिनांक को अपराध के तीन आरोपीगण को गिरफ्तार किया जाकर अपराध मे पूछताछ की गई तो आरोपी के द्वारा बताया गया कि वह आईपीएल गेमिंग में रकम हार गया था एवं उस पर कर्जा था जिसके लिये लोग उससे पैसे की माँग कर रहे थे, उक्त कारणवश उसने 05 वर्षीय नाबालिग को अपने घर रिमोट कार देने को बुलाया और बाँधने लगा तो बालक के चिल्लाने पर उक्त आरोपी के द्वारा कपडे से गला बाँधकर नाबालिग की हत्या कर कूलर मे डाल दिया । कार्यवाही में मुख्य रूप से शामिल रहे निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी थाना रौन,उपनिरीक्षक विवेक प्रभात, उपनिरीक्षक रविन्द्र माँझी, सहायक उपनिरीक्षक बलवीर सिंह,सहायक उपनिरीक्षक कंपोटर सिंह पचौरी, प्रधान आरक्षक सुनील तोमर, आरक्षक राहुल तोमर, आरक्षक जसविंदर जाट, आरक्षक देवेन्द्र यादव,आरक्षक प्रेम प्रकाश, आरक्षक विपिन जाट, आरक्षक सूरज जाट, आरक्षक अजय चौहान,महिला आरक्षक वंदना खरे, आरक्षक राजू राठौर, उपनिरीक्षक वैभव तोमर थाना प्रभारी असवार,सहायक उपनिरीक्षक सत्यवीर सिंह,।

# आरोप लगाने से पहिले अम्बरीश शर्मा अपने गिरेबान में झांके : नरेश सिंह चौहान

**पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । लहार नगर पालिका उपाध्यक्ष नरेश सिंह चौहान सहित कांग्रेस पार्टी के गोहद विधायक मेवाराम जाटव, खिजर मोहम्मद कुरैशी प्रदेश उपाध्यक्ष म.प्र.कांग्रेस कमेटी, रामप्रकाश यादव उपाध्यक्ष म.प्र. काग्रेस कमेटी, मानसिंह कुशवाहा अध्यक्ष जिला काग्रेस कमेटी भिण्ड, डॉ. राधेश्याम शर्मा अध्यक्ष शहर काग्रेस कमेटी भिण्ड, देवेन्द्र त्रिपाठी एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लहार, राजकुमार शर्मा (राजू मोल्या) अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लहार, लायक सिंह गुर्जर अध्यक्ष जिला काग्रेस पिछ?ावर्ग भिण्ड,उदयप्रताप सिंह सेंगर पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित भिण्ड, रमाशंकर कौरव महासचिव जिला काग्रेस कमेटी भिण्ड, केशवसिंह पार्षद बार्ड नं 01 नगरपालिका लहार, मानवेन्द्रसिंह विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत लहार ने संयुक्त रूप से प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा, कि अम्बरीश शर्मा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा ने विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह के ऊपर जो गलत एवं निराधार आरोप लगाये हैं, इन आरोपों को लगाने से पहिले अम्बरीश शर्मा उर्फ गुड्डू को स्वयं अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। डॉ. गोविंद सिंह जिस स्थान पर निवास करते हैं, वहाँ की एक बीघा 11.5 विस्वा भूमि अम्बरीश शर्मा के ही नाना स्व. श्री जे जे राम महाते से खरीदी गई थी,यदि वह सरकारी है, तो स्वयं अपने नाना के परिजनों से जानकारी लें। डॉ.गोविंद सिंह जहां रहते हैं, वहां पर कोई सरकारी रास्ता नहीं था और ना ही उनके द्वारा किसी सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण किया गया है। यदि अतिक्रमण किया गया है तो सरकार भाजपा की है, अतिक्रमण की जांच कराले, यदि अतिक्रमण पाया जाये तो उसको तुरंत हटाया जावे।

नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि जिसका जैसा चरित्र होता है उसको हर तरफ वैसा ही दिखता है। अम्बरीश शर्मा लहार के बार्ड नं. 13 मस्जिद के पास स्थित जिस मकान में रहते हैं,वह मकान सरकारी जमीन एवं नाले पर अतिक्रमण कर बनाया गया है। अम्बरीश शर्मा द्वारा नगर के नाले पर अतिक्रमण करने से वर्षो से उसका निर्माण नहीं होने से लहार नगर के पानी का निकास अवरुद्ध रहता है। अम्बरीश शर्मा द्वारा वर्षो से जेल के पीछे स्थित शासकीय भूमि पर जबरन कब्जा कर उस पर खेती कर लाभ ले रहे हैं , जिससे शासन को लाखों रूपयों के राजस्व की क्षति हो रही है। इसी प्रकार इनके द्वारा अनेक स्थानों पर शासकीय भूमि पर कब्जा कर रखा है।कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त प्रेस नोट में कहा कि जिनका खुद का इतिहास आपराधिक हो उसको इस प्रकार के आरोप लगाना शोभा नहीं देता है।

## भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव पर चल समारोह को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई

**पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड ।** बैठक का आयोजन बिहारी ग्रुप ऑफ स्कूल के संचालक एवं समाज सेवा में अग्रणी राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में उनके कॉलेज में किया गया। जिसकी अध्यक्षता व्यापार मंडल भिण्ड के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय डॉ. हरविलास शर्मा द्वारा की गई। बैठक में मुख्य रूप से माधवराम, मनोज दैपुरिया, गणेश भारद्वाज, संदीप मिश्रा, आदित्य पुरोहित पुरखा, देवेश शर्मा सोनू, मनीष पुरोहित, कृष्णा पुरोहित, कल्लू बाजपेई, राहुल थापक, अनिल भारद्वाज, नीरज गौतम जी, अतुल रमेश पाठक, दीपू दुबे सहित भारी संख्या विप्र बंधु उपस्थित हुए। सभी ने चल समारोह की तैयारियों एवं संचालन के संबंध में राय रखी । 22 तारीख को होने वाले चल समारोह को भव्य बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए सभी ने जिम्मेदारी तय की है।

## भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा: देवेन्द्र सिंह दद्दा कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया रहेंगे मौजूद

**पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । समाजसेवी देवेन्द्र सिंह भदौरिया दद्दा ने कहा है,कि सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री व अटेर विधायक डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया की मौजूदगी में 22 अप्रैल 2023 को भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भिण्ड शहर के ब्रन्दावन गार्डन लहार रोड़ भिण्ड में सुबह 11 से बजे कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम में वरिष्ठ सम्मानीय विप्रजनों का सम्मान भी किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में अटेर क्षेत्र के देवतुल्य नागरिकों को आमंत्रित करता हूं, और अपील करता हूं कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। समाजसेवी देवेन्द्र सिंह भदौरिया दद्दा ने कहा है,कि समस्त समाज के लिए भगवान श्री परशुराम अनुकरणीय हैं। मैं जिलावासियों को अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम जयंती की बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि लोगों को भगवान श्री परशुराम जी के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेनी चाहिए। शस्त्र व शास्त्र के ज्ञाता भगवान श्री परशुराम न्याय पसंद व इंसाफ दिलाने वाले थे। भगवान परशुराम जी का जीवन युगों-युगों तक लोगों के लिए आदर्श बना रहेगा।सनातन मर्यादा, मातृ-पितृ भक्ति व समस्त समाज के लिए अनुकरणीय भगवान परशुराम सनातन समाज के आराध्य हैं। देवेन्द्र सिंह भदौरिया ने जनता से आव्हान करते हुए कहा है कि मैं आप सभी देवतुल्य नागरिकों को इस कार्यक्रम मे सादर आमंत्रित करता हूं और आप सभी से अनुरोध है, कि आप इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

## निगम आयुक्त दबाव में आकर कार्य कर रहे हैः मीनल चौबे

**ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ**
**अश्वनी अवस्थी**

छत्तीसगढ। भाजपा पार्षद दल ने आज निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी से मिलकर नगर निगम का कांग्रेसीकरण करने का आरोप लगाया। स्वच्छता बेढे के तहत 84 वाहन जिसे 10,12,91,000/- (दस करोड बारह लाख इकायनबे हजार) रूपये से खरीदा गया है, केन्द्र सरकार के द्वारा उपलब्ध कराया गया है। जिसका उद्घाटन भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी से करवाया गया और जानबूझकर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम से दूर रखा गया। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने कहा है कि शहर की खस्ताहॉल सडको की स्थिति सुधारने के लिये अधोसंरचना मद मे 10 करोड रूपये स्वीकृत किये गये। जिसमें तीन विधानसभा मे विधायको की अनुशंसा से कार्य स्वीकृत किये गये। और एक विधानसभा जहां कांग्रेस के विधायक नही है वहां ज्यादातर कार्य महापौर के वार्ड मे स्वीकृत किये गये। शहर की जनता अभी से जलसंकट से जूझ रही है ना तो आयुक्त और ना ही महापौर को कोई चिंता है। भाजपा पार्षद दल ने आयुक्त से यह पूछा जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम की क्या तैयारी है। पार्षद तो दूर की बात अधिकारियों की भी कोई बैठक नही की गई है। जल जीवन मिशन, अमृत मिशन, 14वे वित्त आयोग, 15वे वित्त आयोग से जलकार्य के लिए पर्याप्त राशि मिलने के बावजूद भी अगर शहर की जनता को जलसंकट हो रहा है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी आयुक्त एवं महापौर की है। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने शिकायत की है कि गांधी मैदान मे नियम विरूद्ध कार्य किया जा रहा है। एक ओर केन्द्र सरकार के पैसे से खरीदे हुए वाहन का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा करवाया जा रहा है। वही दूसरी ओर घोषित भेंट मुलाकात कार्यक्रम मे भाजपा के पार्षदो को कार्यक्रम मे जाने से रोका जा रहा है। पुलिस पार्षदो के साथ अमानवीय हरकत कर रही है। पार्षद तप्ती धूप मे कार्यक्रम स्थल के बाहर खड़े है ये लोकतंत्र का अपमान है उक्त अवसर पर मनोज वर्मा, मृत्युंजय दुबे, डॉ.प्रमोद साहू, सीमा साहू, दीपक जायसवाल, रोहित साहू,रवि धुव, सरिता वर्मा, विश्वदिनी पांडेय, सुशीला धीवर, कामिनी देवांगन, भोला साहू , सीमा कंदोई,रजयंत सिंह धुव्र, नारद कौशल, सरिता दुबे, आदि उपस्थित थे।

## आंगनबाड़ी केन्द्र के संचालन का समय प्रातः8 बजे से 12 बजे तक

**पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । वर्तमान में भीषण गर्मी एवं मौसम के तापमान में हुई वृद्वि के कारण आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने आंगनबाड़ी केन्द्र के संचालन का समय प्रातः8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आंशिक परिवर्तन किया है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने आदेश जारी कर कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने का समय प्रातः8 बजे से, बच्चों के नाश्ता का समय प्रातः9 बजे, बच्चों के भोजन का समय प्रातः10 बजे, बच्चों की आंगनबाड़ी केन्द्र से छुट्टी दोपहर 12 बजे की जाएगी। दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गृह भेंट, अभिलेखों का संधारण एवं अन्य गतिविधियां पूर्ववतः रहेगी। उक्तादेश 30 अप्रैल 2023 तक प्रभावशील रहेगा।

## अटेर पुलिस ने अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

**पुष्पांजली टुडे**

अटेर। विशेष पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा माफियाओ एवं आपराधिक तत्वों के बिरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे, एसडीओपी अटेर श्रीमती पूनम थापा के निर्देशन में दिनांक 20/04/23 को मुखबिर की सूचना पर से थाना अटेर पुलिस द्वारा आरोपी की गुमटी को चैक किया गया तो गुमटी में अन्य सामानों के बीच में 6 पेटी अबैध देशी शराब की मिली जिसे मौके पर जप्त किया गया व आरोपी को गिरफ्तार किया गया जिसपर से अपराध क्र. 56/23 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध किया गया तथा आरोपी को जे. आर. पर भेजा गया।

**बरामद माल-** अबैध देशी प्लेन मंदिरा के 6 पेटियां।

**सराहनीय भूमिका-** थाना प्रभारी अटेर उपनिरीक्षक देवेन्द्र राठौर, आरक्षक अलकेश यादव, आरक्षक संदीप तोमर, आरक्षक विशाल राजावत, आरक्षक चालक रामनरेश प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

# महिलाओं द्वारा लिखित कविताओं की पुस्तक का विमोचन

**पुष्पाजंली टुडे**

बेंगलुरू। जीतो बैंगलुरु नार्थ की महिला विंग द्एवं केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित काव्य लेखन प्रतियोगिता में प्राप्त हुई सैकडो कविताओं में से चुनिंदा कविताओं को एक पुस्तक में संग्रहित कर उस पुस्तक का विमोचन राजाजीनगर स्थिर जीतो कार्यालय में किया गया। मानवीय

### जीतो बैंगलुरु नार्थ महिला विंग का आयोजन

संवेदनाओं, सामाजिक मूल्यों, रिश्तों की कशमकश जैसे पहलुओं पर आधारित कविताओं के संग्रहण वाली इस पुस्तिका का विमोचन जीतो अपेक्स, केकेजी जोन व बैंगलुरु के पदाधिकारियों ने किया।जीतो बैंगलुरु नार्थ की महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि काव्य लेखन प्रतियोगिता में देश-विदेश से प्राप्त प्रविष्टियों में से चुनिंदा कविताओं का संग्रहण इस पुस्तक में किया गया है इस मौके पर अपेक्स महिला उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा ने कहा कि आज नारी को अपना सर्वस्व इस समाज में कायम रखना है। प्रतिभा संपन्न नारी समाज या राष्ट्र की वास्तविक संपदा होती है। घर और बाहर दोहरी ज़िंदगी पर खड़ी नारी अपनी भावनाओं का अथाह समंदर जब कलम बन कागज पर शब्दों में उकेरती है तब इतिहास बन जाता है। आज का दिन जीतो के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगा की प्रतियोगिता के माध्यम से एक काव्य संग्रह पुस्तक का विमोचन हुआ। केकेजी ज़ोन अध्यक्ष अशोक सालेचा ने शुभकामनाएँ संप्रेषित की एवं महामंत्री दिलीप जैन ने नारी सम्मान पर चंद पंक्तिया सुनाते हुए कहा कि काव्य लेखन हेतु किसी कवि की वह शक्ति सामने आती है जिससे काव्य रचना में जीवंतता आती है। केकेजी ज़ोन ऐसे आयोजनों द्वारा नारी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के संकल्प को निभा

रहा है।केकेजी जोन महिला विंग संयोजक यश्मा जैन ने कहा कि काव्य लेखन द्वारा समाज व देश की समस्याओं को महसूस कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के स्वर्णिम अतीत में देखे तो प्रतिभाओं की बहुलता के कारण ही भारत समृद्ध, खुशहाल और ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी है। इस अवसर पर जीतो बेंगलोर नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने महिलाओं को लक्ष्मी, दुर्गा, शारदा की उपमा देते हुए कहा कि ये सब नारी के रूप है जो समय आने पर सामाजिक मूल्यों, रिश्तों की कशमकश सहित विभिन्न पहलुओं की कविताएं शामिल है जो अपने आप में बड़ी बात है। उन्होंने प्रत्येक साधर्मिक परिवार को ऊँचा उठाने में मानव संवेदनाओं की प्रेरणा दी । पूर्व महिला विंग अध्यक्ष निशा सामर, अनिता पिरगल एवं साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी, नार्थ युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी महामंत्री खुशी पोरवाल इत्यादि ने भी विचार रखे। काव्य लेखन के विजेताओं की घोषणा पारस भंडारी, इंदरचंद बोहरा, अर्चना सुराणा व यश्मा जैन ने की।शीर्ष में नीतू दोषी (इरोड-तमिलनाडु), भीख नहीं, अधिकार मांगती हूं, शीतल शाह (बेंगलुरु) ÷हौसलों की दर्जी, संगीता बोहरा (हैदराबाद) हकदार है वह, डॉ मुन्नी देवी जैन (गोरेगांव) आज की नारी ¯सब पर भारी÷, रुचिका योगेश बाकलीवाल (नासिक) दुविधा, ममता सुराणा (भायखला-मुंबई) ÷संपूर्णता की उत्कृष्ट प्रतिनिध, ममता चोपड़ा (पाली-राजस्थान)÷अन्तर-द्वंद्व, नीता अनुपम रुणवाल (विजयपुरा-बीजापुर, कर्नाटक) ÷तू बन शिखर-तू दीप शिखा बन, लता बोथरा (बेल्लारी) संस्कारों का बीजारोपण तुझसे÷, ममता सिंघी (विराटनगर-नेपाल) कोई विशेष डे नहीं जरूरी, मेनका फत्तेहपुरिया (नागपुर) अजी, सुनते हो, प्रगति जितेंद्र बच्छावत प्रीत (मुम्बई) मैं भारतीय नारी हूं, स्वीटी विशाल जैन (पुणे) शामिल रहे। प्रायोजक कोहिनूर ग्रुप के संघवी घेवरचन्द अशोककुमार सालेचा परिवार पचपदरा - बेंगलोर वालों की तरफ़ से सभी संभागी प्रतियोगी को पुस्तक भेट की गई एवं विजेताओं को केजेज़ी ज़ोन की तरफ़ से पुरस्कार राशि प्रदान की।कार्यक्रम का शुभारम्भ नवकार मंत्र से हुआ। सहमंत्री पिंकी मेहता ने ऑडियो वीडियो द्वारा जीतो नॉर्थ की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। काव्यसृजन पुस्तक टीम भाविका कोठारी, शीतल शाह, लक्ष्मी बाफ़ना, भूपेन्द्र भानावत, रवि सामरा द्वारा इस काव्य सृजन यात्रा का विवरण दिया गया। संचालन भाविका कोठारी ने किया एवं महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## सात दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

**पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सेंणचा ब्यूरो सीफ**

**बेंगलुरू।** सीरवी समाज मिनाक्षी लेआट बडेर भवन परिसर में सात दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन 14अप्रेल से शुरू 20 अप्रेल को तक चला। शिविर में 100 से संख्या में मरीज लाभान्वित हुए। समिति के सलाहकार भोमाराम परिहारीया ने बताया कि सीरवी समाज ट्रस्ट मिनाक्षी लेआट के तत्वाधान में सात दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर रोजाना सुबह 8बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 बजे से 8बजे तक चला। डॉ एम.ए.चायनान ने बताया कि शिविर में एक्युप्रेशर, सुजोक, वाईब्रेशन व मैग्नेट चिकित्सा से मरीजों के शरीर के विभिन्न अंगो के दर्द व उससे संबंधित पॉइंट सहित विभिन्न प्रकार की चिकित्सा प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में बडेर के अध्यक्ष कालुराम भायल सचिव वालाराम गेहलोत सहित समाज के लोगों ने शिविर मे मौजूद रहकर सहयोग दिया ।

# मौत से पहले बोला युवक बहुत लठ मारे,शाम तक बच जाएं तो मुश्किल है,पिता बोला पुलिस बना रही थी जल्दी अंतिम सँस्कार करने का दबाब

भिण्ड-दबोह पुलिस के हाथ लगे वारंटी की हिरासत में मौत हो गई और मामा के परिवार के लोगों पर उसे पीटने का आरोप है।वहीं दम तोड़ने से पहले उसने पुलिस से कहा-मुझे बहुत मारा है,मुझमें इतने लठ दए,अब क्या बताएं,अब शाम तक बच जाएं तो मुश्किल है।दरअसल मामला भिण्ड जिले के अंतिम छोर पर बसे कस्बा दबोह थाना इलाके के ग्राम कंअरपुरा नं 02 का है।यहां बता दें कि पुलिस को वारंटी रिंकू विश्वकर्मा(48)की सष्ट/स्ज्ञ और मारपीट की धाराओं में दो साल से तलाश थी और वह साधु बनकर यहां-वहां घूम रहा था।घटना से दो दिन पहले ही गांव आया था।पुलिस को उसके गांव आने का पता चला तो 19 अप्रैल को दबोह थाने से टीम उसे गिरफ्तार करने ग्राम कुंअरपुरा पहुंची। उसने पुलिस को देखते ही हमला बोल दिया।डंडा मारकर डायल 100 गाड़ी का कांच तोड़ दिया और भाग निकला।इसके दूसरे दिन 20 अप्रैल को रिंकू का गांव की जमीन पर कब्जे को लेकर मामा के लड़कों से विवाद हो गया।आरोप है कि मामा के परिवार के लोगों ने उसे पीटने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस जब उसे मेडिकल जांच कराने के लिए अस्पताल लेकर पहुंची,उसने दम तोड़ दिया।वहीं मृतक के पिता ने बताया कि पत्नी को मायके से जमीन का हिस्सा कानूनी तौर पर मिला है।इस जमीन पर उनके साले कब्जा किए हुए हैं।बेटे ने जब कब्जा छोड़ने को कहा था।इस पर साले प्रह्लाद और

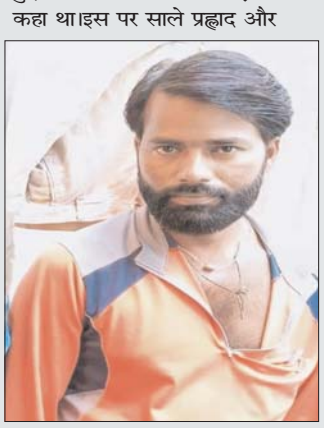

उनके लड़कों ने बेटे को डंडों से पीटा।यह 20 अप्रैल की सुबह 11 बजे की बात है।पीटने के बाद पुलिस को बुलाकर हवाले कर दिया।पिता ने बताया कि दबोह पुलिस बेटे को लेकर पहुंची,तो मैं भी पीछे-पीछे पहुंच गया जिसके बाद पता चला कि वह अस्पताल में है।मैं भी अस्पताल पहुंचा।दोपहर के दो बज चुके थे।बेटे ने मुझसे कहा कि पापा मैं बचने वाला नहीं हूं।दबोह अस्पताल से पुलिस उसे लहार सिविल अस्पताल ले गई।यहां शाम 5.30 बजे इलाज शुरू होने से पहले ही बेटे की मौत हो गई।बेटे की मौत के बाद उसका पोस्टमॉर्टम कराया।पुलिस चाहती थी कि हम देर रात शव लेकर पहुंचें।पुलिस एम्बुलेंस न होने की बात कहते हुए देरी कर रही थी।मैंने रात 8.30 बजे कहा कि आप बॉडी रखो,मैं चला।इसके बाद पुलिस ने लोडिंग गाड़ी बुलवाई और शव को भेजा।अब घर आने पर पुलिस शव का पीएम कराने को लेकर रात्रि में ही दबाव बनाने लगी।मैंने कहा कि मेरे दो बेटे बाहर हैं।उनके आने पर ही अंतिम संस्कार होगा। 21 अप्रैल की सुबह दस बजे बेटे आए तो पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए फिर से दबाव बनाया। जबकि मैं अपनी बेटी जो प्रयागराज में है,उसका आने का इंतजार कर रहा था।पुलिस के दबाव में अंतिम संस्कार करना पड़ा।वहीं इस पूरे मामले को लेकर लहार एसडीओपी अवनीश बंसल ने बताया कि पुलिस को रिंकू की दो साल से तलाश थी।वह साधु बनकर इधर-उधर रहता था।उसका मामा के परिवार से झगड़ा हुआ उन्होंने मारपीट कर दी।इसके बाद पुलिस लेकर आई और उसका मेडिकल कराने पहुंची तो उसकी मौत हो गई।19 अप्रैल को उसके पिता ने ही पुलिस को सूचना दी थी कि बेटा उत्पात मचा रहा है।

**हत्या आरोपियों के घर मई में बेटी की शादी**-मामले में मृतक के मामा के परिवार पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है।मृतक रिंकू और उसके मामा का घर आमने सामने है।रिंकू के मामा के घर बेटी की शादी की तैयारी चल रही है और मई में शादी है।ऐसा बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर आरोपी परिवार ने लकड़ी और कंडे रखे थे,वहां रिंकू ने आग लगा दी थी।

# सूडान संकट से घिरे भारतीयों की फिक्र

कन्नडा में हक्की का अर्थ होता है, 'पक्षी'। 'पिक्की' का मतलब है, 'पकड़ना'। हक्की-पिक्की जनजाति के लोग पशु-पक्षियों को पकड़ने, जड़ी-बूटियों, मसालों को बेचने के कामों में लगे रहते हैं। ये खुद को महाराणा प्रताप के वंशज मानते हैं। वे कहते हैं, 'जब मुग़लों का सितम हुआ, तो हमारे पूर्वज दक्षिण की तरफ़ कूच कर गये।' 23 अन्य उपनामों के अलावा 'बागरी' भी बोलते हैं स्वयं को, जो राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में राजपूत-जाटों से जुड़ी घुमक्कड़ प्रजाति है। पुडुचेरी और दक्षिण के चार सूबों में इनकी संख्या 29 हज़ार है। हक्की-पिक्की सबसे अधिक कर्नाटक में बसे, वहां उनकी आबादी 14 हज़ार के आसपास है। योशुवा प्रोजेक्ट वाले बताते हैं कि विदेश में हक्की-पिक्की की संख्या 30 हज़ार के क़रीब है। ये सूडान जड़ी-बूटियों व मसाले के कारोबार की वजह से जाने जाते रहे हैं। चूंकि कर्नाटक में चुनाव है, तो हक्की-पिक्की की चिंता ज़्यादा हो चली है। गुजरात में चुनाव होता, तो शायद सूडान के गृहयुद्ध में फंसे गुजरातियों की चिंता अधिक होती। लवचंद अमरचंद शाह पहले गुजराती थे, जो 1860 में व्यापार करने सूडान आये, और यहीं के होकर रह गये। उनकी देखा-देखी सबसे अधिक गुजराती ही इस उत्तर-पूर्वी अफ्रीक़ी देश में आये। लाल सागर के तट पर बसे सूडान के इर्दगिर्द मिस्र, इरीट्रिया, इथियोपिया, दक्षिणी सूडान, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड और लिबिया जैसे सात देश हैं। भारतीय मूल के कोई चार हज़ार लोग इस मुल्क़ में आबोदाना-आशियाना की वजह से हैं।

सूडान में इस समय गृहयुद्ध जैसी स्थिति है। सूडान पर राज कर रहे उमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के बाद 2021 में अंतरिम सरकार अस्तित्व में आई थी। तब सार्वभौम परिषद बनी, सेना व पैरामिल्ट्री फोर्स के लोग सत्ता चलाने लगे। आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के लीडर जनरल मोहम्मद हमदान डगलो उपराष्ट्रपति बन गए। दिसंबर, 2022 के बाद से 'आरएसएफ' सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण के प्रयास में है। 'आरएसएफ' का गठन 2013 में हुआ था। विश्लेषक, कुख्यात विद्रोही संगठन 'जंजावीद' को 'आरएसएफ' की बुनियाद मानते हैं। सेना के समानांतर 'आरएसएफ' जैसे मजबूत सुरक्षा बल का होना, सूडान की अस्थिरता की वजह माना जाता रहा है। सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने कहा है कि सेना किसी निर्वाचित सरकार को ही सत्ता का पूर्ण हस्तांतरण करेगी। दोनों पक्षों में घमासान जारी है। बुधवार शाम तक 300 से अधिक लोगों के मारे जाने की ख़बर है। सूडान में शांति कब आएगी, कहना कठिन है। मगर, कर्नाटक के 31 हक्की-पिक्की आदिवासियों का फंस जाना कन्नाडिगा अस्मिता और उनकी सुरक्षा का सवाल बन गया है। ये सभी हक्की-पिक्की जनजाति के लोग सूडानी शहर अल-फशेर में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा, और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं। इन 31 वनवासियों में महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है। प्रकाश से भी तेज़ गति से चल रही सूचनाओं के इस कालखंड में देश के विदेशमंत्री यह बयान दे रहे हैं कि सुरक्षा कारणों से हम उनके लोकेशंस नहीं बता सकते। इससे उलट, विभिन्न संचार माध्यमों के ज़रिये वहां फंसे भारतीय खुद अपना ठिकाना भेजकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। सूडान में फंसे भारतीयों में से एक, एस. प्रभु ने मंगलवार को दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेज़ी अखबार के पत्रकार से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि हम पिछले 4-5 दिनों से किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना खत्म हो चुका, पीने के लिए पानी तक नहीं है। यों, भारतीय दूतावास किस तरह की मदद कर रहा है, इसकी जानकारी लेने का हक़ सभी देशवासियों को है। खार्तुम स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को ट्वीट के ज़रिये एडवाइज़री जारी की, कि जो इंडियन जहां हैं, अपने घरों के अंदर ही रहें। जो राशन-पानी है, कुछ दिन उसी से काम चलायें। पड़ोसियों की मदद लें। भारतीय दूतावास ने एक कंट्रोल रूम बना रखा है, उससे नई दिल्ली को समय-समय पर अपडेट किया जा रहा है। लेकिन क्या, यह सब काफी है? न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट है कि पचास लाख की आबादी वाला खार्तुम भोजन-पानी व बिजली के बग़ैर बेहाल है। यूएन की संस्थाओं ने चारेक दिन पहले राशन पहुंचाने से हाथ खड़े कर दिये थे। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कन्नाडिगा नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता सिद्धारमैया पर भड़के हुए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'सूडान में फंसे भारतीयों की स्थिति पर राजनीति करना बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है। मुझे नहीं लगता कि आपको इस तरह के बयान देकर किसी तरह का राजनीतिक फायदा होगा।' इस पर सिद्धारमैया ने कहा- 'आप विदेश मंत्री हैं, इसलिए मैंने आपसे मदद की अपील की। अगर आप मेरे बयानों पर स्तब्ध होने में ही व्यस्त हैं, तो मुझे बता दीजिए कि देश को लोगों को वापस लाने में हमारी मदद कौन कर सकता है?'कर्नाटक चुनाव तक यह ट्वीट वार चलेगा। लेकिन सूडान में दूतावास व डिप्लोमेट भी सुरक्षित नहीं हैं, यही ज़मीनी सच है। आयरलैंड के डिप्लोमेट आयदान ओहारा खार्तुम में यूरोपीय संघ के दूत के रूप में तैनात हैं, उनके घर विद्रोही घुस आये, और बदतमीज़ी की। ईयू के राजदूत से गन प्वाइंट पर पैसा और सामान जितना समेटना था समेटा, और चलते बने। मगर, क्या हमारा दूतावास उतना ही सतर्क है, जितना कि अमेरिकी दूतावास वाले? आप स्वयं दार्फुर में अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी चेतावनियों से तुलना कर लीजिए। 5 अक्तूबर, 2022 को अमेरिकन इंबैसी ने 'लेबल फोर अलर्ट' जारी कर साफ कर दिया था कि हमारे नागरिक सूडान की यात्रा नहीं करें। अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर 15 से 18 अप्रैल, 2023 के बीच चार अलर्ट हैं। संकटग्रस्त सूडान में भारतीय समुदाय के लोग निशाने पर नहीं हैं, तो उसका कारण वो इतिहास है, जिसे वहां के लोकतंत्रकामी अब भी स्मरण करते हैं। 1900 से भारत-सूडान के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। 1935 में महात्मा गांधी बरास्ते ब्रिटेन, पोर्ट सूडान उतरे थे। 1938 में पंडित नेहरू लंदन जाते समय पोर्ट सूडान उतर कर छोटेलाल सामजी विरानी के घर गये। उनकी मुलाक़ात 'सूडान ग्रेजुएट कांग्रेस' के लोगों से हुई, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से काफी प्रभावित थे। 1955 में बांगडुंग में पहला एफ्रो-एशियाई सम्मेलन हुआ, तब सूडान ब्रिटेन से आज़ाद नहीं हुआ था। उस सम्मेलन में समस्या ध्वज की थी। नेहरू ने अपना रूमाल निकाला, उस पर सूडान लिखा, और टेबल पर लहरा दिया। 1 जनवरी, 1956 को सूडान आज़ाद हुआ। सूडानी चुनाव आयोग की संरचना से लेकर पंचवर्षीय योजनाओं तक में भारत ने मदद की।

## संपादकीय

# जाति गणना का अस्त्र

यूं तो गाहे-बगाहे विभिन्न राजनीतिक दल देश में जाति आधारित जनगणना की मांग करते रहे हैं। पहले इस मुहिम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगुवाई की। फिर राजद व दरुमुक के अलावा कई राज्यों ने भी ऐसी मांग दोहराई। लेकिन अब अपने परंपरागत स्टैंड से इतर कांग्रेस ने जाति आधारित जनगणना की मांग उठाकर सब को चौंकाया है। निस्संदेह, यह कहना कठिन है कि यह मुद्दा कितना सामाजिक सरोकारों व वंचित समाज के उत्थान से जुड़ा है, लेकिन एक बात तो साफ है यह मामला सिर्फ कर्नाटक चुनाव तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। बल्कि आसन्न आम चुनाव तक विपक्ष को एकजुट करने के लिये एक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया जाने वाला है। यदि अतीत के पन्नों को पलटें तो जब कमंडल मुद्दा भाजपा के जनाधार को एकजुट करने का मंत्र बना तो मंडल का मुद्दा उभारा गया था। कमोबेश वही स्थितियां दोबारा दुहराई जा रही हैं। लगातार दो बार से केंद्र की सत्ता में काबिज मोदी सरकार को चुनौती देने के लिये विपक्षी एकता की जो इबारत लिखी जा रही है, उसके मूल में जाति गणना का मुद्दा सामने आया है। कर्नाटक के कोलार में गत रविवार हुई एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति गणना का मुद्दा उठाया था। जाहिर है यह बात उन्होंने पार्टी के थिंक टैंक की रीति-नीति के अनुरूप ही कही होगी। इसी कड़ी का दूसरा पहलू यह भी है कि इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जाति आधारित जनगणना करवाने पर जोर दिया है। कहीं न कहीं राहुल गांधी के मानहानि प्रकरण को भाजपा द्वारा पिछड़ों के अपमान के मुद्दे में तब्दील करने के बाद भी कांग्रेस डेमेज कंट्रोल में जुटी नजर आती है और भाजपा के अस्त्र से ही पलटवार करने का मन बना चुकी है।

## स्मृति पटल

प्रकृति का सुंदर नजारा,
जिसे कुदरत ने खुद ही संवारा,
आंखों ने देखे वो मनोरम दृश्य,
मुद्दतों बाद याद आते हैं परिदृश्य,
आंखें बंद कर लेता हूं याद,
नहीं उसकी कोई उम्र की मियाद,
मिलता वही जिस पर विश्वास अटल,
होता है विशाल स्मृति पटल।

ऊंचे -ऊंचे पहाड़ों पर बर्फ का गिरना,
मैदानों में कीचड़ से पैर का फिसलना,
जंगल से पक्षियों की आती चहचहाहट,
जिंदगी से दूर होती कड़वाहट,
देती है मन को खूब शांति,
मिट जाती पलभर में भ्रांति,
लगती है अपनी प्रकृति सकल,
होता है विशाल स्मृति पटल।

## घर में चारों धाम

में तीरथ जानिए, सास ससुर माँ बाप ।
करना है सेवा हमें, धुल जाएंगे पाप ।।
धरती पे भगवन मिले, करे बिना जप ताप।
कर लें इनकी वंदना, कष्ट मिटेंगे आप।।
पूरन कर लें साध हम, पड़े अधूरे काज ।
मन की कोई भावना, रह ना जाए राज ।।
मात-पिता खुशहाल तो घर में चारों धाम ।
सर पे इनका हाथ हो, हो जाए सब काम ।।
कहे कल्पना आपसे, देना इस पर ध्यान ।
पहले शिक्षक मात-पिता, देते हमको ज्ञान ।।

स्वरचित- कल्पना सिनोरिया

# काले-गोरे की ग्रंथि से मुक्त होने का वक्त

हर समाज में भेदभाव का कोई-न-कोई रूप अस्तित्व में होता ही है। हमारा देश और समाज भी रंगभेद से अछूता नहीं है। हमारे यहां रंगभेद इस मायने में अलग है कि विदेशों में काले रंग का भेदभाव स्त्री और पुरुष दोनों के साथ समान रूप से होता है। परंतु, हमारे यहां काले या सांवलेपन को खासतौर से स्त्रियों के संदर्भ में देखा जाता है। प्रसिद्ध लेखिका मन्नू भंडारी और लेखिका व उद्योगपति प्रभा खेतान की आत्मकथाओं से पता चलता है कि किस प्रकार सांवले रंग ने उनके बचपन में जहर घोला, जिसका असर उनके पूरे व्यक्तित्व पर जिंदगी भर रहा। मध्य प्रदेश में शिवपुरी की एक महिला ने पिछले दिनों पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पति ने काली बेटी को जन्म देने के कारण घर से निकाल दिया। पति का आरोप है कि जब वह गोरा है, उसकी पत्नी गोरी तो फिर बच्चा कैसे काला हो सकता है। भला क्या बच्चे के रंग-रूप को कोई महिला कैसे निर्धारित कर सकती है। समाज में जब इस तरह की घटना होती है तो कई सवाल खड़े होते हैं। आधुनिकता के इस दौर में हमारी सोच का पैमाना कितना दकियानूसी है। कहते हैं ईश्वर ने जब इंसान को बनाया तो उसमें कहीं कोई भेद नहीं किया। यह तो हम इंसान ही हैं जो रंग-रूप, ऊंच-नीच में बंटे हुए हैं। आधुनिकता के इस दौर में आज भी हमारे समाज की सोच नहीं बदली है। यहां मन की सुंदरता से कहीं ज्यादा बाहरी सुंदरता को महत्व दिया जाता है। लड़की कितनी भी पढ़ी-लिखी क्यों न हो, उसे रंगभेद का शिकार होना ही पड़ता है। कहने को तो 'ब्लैक इज ब्यूटी' कहा जाता है। पर, क्या हक़ीक़त में हमारा समाज काले रंग को तवज्जो देता है। ख़ासकर जब बात लड़कियों की हो, तो समाज से उन्हें सिर्फ ताने ही सुनने को मिलते हैं। इस बात से किसी को फर्क नहीं पड़ता कि लड़की संस्कारी है, पढ़ी-लिखी है, घर के सारे काम जानती है। लेकिन, फर्क पड़ता तो सिर्फ इस बात से कि लड़की का रंग कैसा है। कहीं वह सांवली तो नहीं है। विज्ञापनों में गोरे रंग के महिमामंडल के मुद्दे को जब समाज के प्रगतिशील लोगों ने उठाया तो आधुनिकता के इस दौर में बदलाव सिर्फ इतना हुआ है कि विज्ञापनों में गोरे रंग की जगह 'चमक' शब्द ने ले ली है। आज भी जब किसी लड़की

की शादी होने वाली होती है, तो 6 महीने पहले से ही गोरेपन के लिए ट्रीटमेंट शुरू कर दिए जाते हैं। उबटन लगाया जाता है ताकि लड़की सुन्दर दिखे। लड़की की आंतरिक सुंदरता का कोई मोल नहीं रहता। जबकि लड़कों के काले होने पर उन्हें कोई ताने नहीं मारे जाते। उनका कहीं कोई अपमान नहीं करता। हमारे देश में भगवान श्रीकृष्ण को पूजा जाता है। उनका श्याम वर्ण है। उनकी पूजा सारा देश करता है।?जो इस बात का प्रतीक है कि हमारे पूर्वज किसी भी तरह के रंग-भेद को मान्यता नहीं देते थे। यह विचारणीय प्रश्न है कि क्या भारत में शासक वर्ग के रूप में जब अंग्रेज आये तो क्या उन्होंने भारतीय समाज में गोरे रंग को विशिष्टता और प्रतिष्ठता से जोड़ दिया? धीरे-धीरे इस प्रवृत्ति ने समाज में एक ग्रंथि का रूप ले लिया। लेकिन विडंबना देखिए कि आज आजाद भारत में भी काले और गोरे में भेद किया जाता है। यही वजह है कि हमारे देश में काले रंग को लेकर लोगों में हीन भावना इतनी कूट-कूटकर भर दी गई है कि गोरेपन की क्रीम और फेयरनेस प्रोडक्ट्स में हम दुनिया में नम्बर एक पर हैं। सिनेमा समाज का आईना है। सिनेमा में भी गोरेपन को सुंदरता के प्रतीक के तौर पर दिखाया जाता है। खासकर हीरोइनों को गोरा ही दिखाया जाता है। यही वजह है कि जो हीरोइन सांवली है, उसने भी इंडस्ट्री में बने रहने के लिए ट्रीटमेंट का सहारा लिया, ताकि अपना सांवला रंग दुनिया से छिपा सके। सांवली लड़कियों में इस तरह की मानसिकता को भर दिया जाता है कि सिनेमा सिर्फ गोरे लोगों के लिए ही बना हुआ है। क्या खूबसूरती और काबिलियत का पैमाना सिर्फ गोरा होना ही है! विडंबना देखिए कि फिल्मी गाने में भी गोरे रंग का ही जिक्र किया जाता है। 'काला रंग है मेहनत का' यह लाइन सिर्फ फिल्मों में ही अच्छी लगती है। असल जिंदगी से इसका कोई नाता नहीं है। काले रंग के प्रति हीनता हमारे लोक-व्यवहार में भी साफ झलकती है। हमारे समाज में महिलाएं पितृसत्तात्मक राजनीति का शिकार होती आई हैं। खासकर जब बात उनकी शारीरिक सुंदरता की हो। ये पितृसत्ता ही है जिसने सबसे पहले गुणों के आधार पर रंग की बात की। महिलाओं को आज भी हमारे समाज में उनके रंग-रूप के आधार पर ही तवज्जो दी जाती है। काली लड़कियां घर से लेकर ससुराल तक ताने का शिकार होती हैं। वैसे भी हमारे समाज की विडंबना है कि हम 21वीं सदी में भी रंगभेद की मानसिकता से ग्रस्त हैं। आज समाज में धीरे ही सही बदलाव आ रहा है। आर्थिक रूप से सबल स्त्रियां समाज में कामयाबी की नई इबारत लिख रही हैं। उनकी आर्थिक आजादी ने रंग-भेद की इबारत मिटानी शुरू कर दी है।

# और अब तो औरतें ले उड़ीं पगड़ियां

पिछले दिनों एक महाशय ने ताना मारते हुए फेसबुक पेज पर लिखा कि 'औरतों ने पुरुषों के सभी कपड़ों की नकल करनी शुरू कर दी है। उन्हीं की तरह पैंट, कोट, शर्ट, जैकेट, जींस, निक्कर आदि पहनती हैं। एक पगड़ी या साफा बचा था, अब महिलाओं ने वह भी पहनना शुरू कर दिया है और सोचने लगी हैं कि पगड़ी बांध कर पुरुष हो गई हैं।' यह टिप्पणी पुरुष मानसिकता की संकीर्णता का बोध करवाती दिखी। आदमियों ने विदेशियों की नकल पर पैंट, कोट, शर्ट, जैकेट, जींस पहनने शुरू किये जबकि उनके भारतीय परिधान में तो धोती, कुर्ता, अचकन थे। खुद से आदमियों ने धोती-कुर्ता त्याग दिया तो कोई चर्चा नहीं। औरतों ने साड़ी कम कर दी तो अचंभित हैं। खुद पुरुषों ने चोटी कटवा ली तो कोई एतराज़ नहीं, अब महिलाओं के कटे बाल देखकर नाक-भौं सिकोड़ते हैं। सवाल यह है कि महिलाओं ने पुरुष परिधानों को तेजी से क्यूं अपना लिया है। अपने ही देश में नहीं, विदेशों में भी यही हो रहा है। सीधा-

सा जवाब है कि आदमियों द्वारा पहने जाने वाले कपड़े सुविधाजनक हैं। एक तो सिर ढकना पड़े पल्लू या आंचल से और एक ढकना पड़े टोपी, पगड़ी-साफे से। तो यह तो मानना ही होगा कि मुद्दा सुगमता का है। वैसे देखा जाये तो पगड़ी या साफा सिर्फ परिधान नहीं है, जिम्मेवारी का सूचक है। अब महिलाओं ने जिम्मेवारी और ज्यादा ओढ़ ली है। घर का काम, नौकरी और बच्चों का होमवर्क यानी तिहरी जिम्मेवारी। आदमी का मुख्य काम कमाई का था और उसमें महिलाएं बराबर की भागीदारी कर रही हैं। हिसाब से देखा जाये तो वे पगड़ी की हकदार हो ही चुकी हैं। पैंट-कमीज की तुलना में साड़ी-ब्लाउज पहनना ज्यादा समय मांगता है। आदमियों के कपड़े ऐसे हैं जिन्हें पहन कर चाल स्वतः तेज़ हो जाती है और औरतों के पारंपरिक परिधान पहनते ही चाल धीमी पड़ जाती है। कोई सोच भी नहीं सकता कि लहंगा, घाघरा या साड़ी में भागादौड़ी की जा सकती है। यही वजह है कि कश्मीर से केरल तक सलवार-कमीज या पैंट-कुर्ती को महिलाओं ने एक साथ स्वीकार लिया है।

# बंटी की अंटी में उनका भविष्य

सुपर चोर बंटी एक बार फिर पुलिस की गिरफ्त में, तीस सालों में 700 से ज्यादा वारदात करने वाला बंटी चोरी के प्रति गहन प्रतिबद्ध है, वरना इतने समय में कई चोर प्रमोशन हासिल करके विधायक मंत्री तक बन जाते हैं। पर बंटी चोरी को स्किल मानकर इसके लिए प्रतिबद्ध है, उस पर फिल्म बनी है, टीवी सीरियल में आ चुका है, इतना सब होने पर विधायक नेता बन सकता था, पर नहीं, उसने चोर होना ही चुना। बंटी को पाकिस्तान एक्सपोर्ट कर देना चाहिए। पाकिस्तान से इंपोर्ट तो चल ही रहा है, पाकिस्तान ड्रोन के जरिये कुछ न कुछ हथियार, नशेबाजी के आइटम भेजता ही रहता है। पाकिस्तान से इंपोर्ट चल रहा है, हां एक्सपोर्ट रुक गया है। तो बंटी को एक्सपोर्ट कर दिया जाये, पाकिस्तान का भला हो जायेगा। पाकिस्तान को चोरी की स्किल का सुपर प्रोफेसर मिल जायेगा। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान के पास स्किल नहीं है। पाकिस्तान के पास आतंक के ऐसे-ऐसे उस्ताद पड़े हुए हैं जो ग्लोबल प्रोफेसर हो सकते थे अगर आतंक को किसी विश्वविद्यालय में बतौर विषय लांच किया जाये तो।बंटी चोर पाकिस्तान चला गया, तो पाकिस्तान को अपने यहां स्किल डेवलपमेंट में मदद मिलेगी और पाकिस्तान की बेइज्जती कुछ कम हो जायेगी। अभी पाकिस्तान के विदेशमंत्री, प्रधानमंत्री दुनियाभर में बेइज्जत हो रहे हैं- एक-दो अरब डॉलर के लिए। पाकिस्तान का हाल इस समय यह है कि अगर कोलंबस पाकिस्तानी होता, तो किसी नये देश की तलाश के बाद सबसे पहले उस देश के राजा से यही कहता- महाराज एक अरब डॉलर कर्ज दो न। पाकिस्तानी कोलंबस नये देशों की तलाश सिर्फ इसलिए करता कि वह नये देश से नया कर्ज मांग सके। पुराने देशों से नया कर्ज मांगना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। मांगने का काम घणा बेइज्जती वाला हो गया अब पाकिस्तानी नेताओं के लिए, अब चोरी करके इज्जत बचानी चाहिए पाकिस्तानी नेताओं को। बंटी चोर को भारत से एक्सपोर्ट किया जाये और पाकिस्तानी नेता दुनियाभर में बंटी को लेकर जायें। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की विजिट के बाद अमेरिका के बैंक से डॉलर रिजर्व गायब मिलेंगे। बंटी चोर पूरी दुनिया से माल बटोरकर पाकिस्तान लेकर आयेगा। वैसे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अपने से पहले के प्रधानमंत्रियों को चोर कहते हैं।

# साढ़े चार साल कांग्रेस के कुशासन के चलते, प्रदेश में बड़े महिला अपराध के मामले : शालिनी राजपूत

## कोरबा में फिर हुई सात वर्षीय बच्ची हैवानियत की शिकार

**ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगड़ की कानून व्यवस्था अपने साढ़े चार साल में नहीं संभाल पाई है। कांग्रेस शासन के साढ़े 4 वर्ष के कार्यकाल में छत्तीसगड़ में 7000 से अधिक महिलाएं व बच्चियां दुराचार की शिकार हो गई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में महिला अपराध की घटनाएं बड़ी है उससे या लगता है कि कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा को लेकर जरा भी संवेदनशील नहीं है। प्रदेश में लगातार इस तरह की घटनाएं बड़ती जा रही है । प्रदेश की कांग्रेस सरकार की ढुलमुल रवैया के चलते अपराधी बेखौफ हो गए हैं और निरंकुश होकर महिलाओं के साथ

छेड़छाड़ एवं दुराचार की घटनाएं करके बेखौफ घूम रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कांग्रेस के राज में अपराध करने पर सजा नहीं होती है। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि कोरबा में 7 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुराचार की घटना ने प्रदेश को शर्मसार करने वाली है। इसके पूर्व बिलासपुर में एक व्यक्ति को शराब पिलाकर उसकी पत्नी के साथ दुराचार की घटना सामने आती है, अंबिकापुर में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया जाता है और जब वह नाबालिग थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने जाती है तो थाने में उसकी शिकायत दर्ज नहीं की जाती है जिसके चलते उस नाबालिग ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता के आनंद में इतने चूर हो गए हैं कि उन्हें प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था की भी जरा चिंता नहीं है। प्रदेश में अपराध चरम पर पहुंच गया है और यह सरकार अब तक सोई हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की घटनाओं को छोटी घटना समझना कांग्रेस और उसके सरकार के मंत्रियों की मानसिकता बन गई जिसके कारण प्रदेश में अपराध एवं महिला अपराध की घटनाएं लगातार बड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की विदाई की बेला है और इस सरकार की विदाई प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में जरूर करेगी।

# भाजपा की बूथ विस्तारक अभियान को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

**पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड ।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे बूथ विस्तारक 2- के अभियान के तहत नगर 155 बूथ केंद्रों पर चलाए गए बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर पार्टी जिला कार्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने समीक्षा बैठक में कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है प्रदेश नेतृत्व के आभार पर नगर के सभी बूथ केंद्रों पर संगठनात्मक ताकत को मजबूत करते हुए आगामी मिशन 2023 विधानसभा एवं 2024 लोकसभा चुनाव के लिए हमें अपनी पूरी शक्ति के साथ केंद्रित होना है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व में संगठनात्मक कार्यक्रम भी देखिए हैं हम सब पार्टी कार्यकर्ताओं की अहम जिम्मेदारी है कि प्रत्येक कार्यक्रम को बूथ केंद्र पर प्रभावी बनाते हुए अपनी ताकत को मजबूती दे तक देकर पार्टी की चुनावी को तूफान में बदलने का काम करें। उन्होंने कहा कि 30

अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वां एपिसोड के कार्यक्रम को हमें प्रत्येक बूथ केंद्र पर बड़ी स्क्रीन लगाकर उनकी मन की बात को सुनना है । प्रत्येक केंद्र पर 100 की संख्या हो यह मंडल अध्यक्ष अवश्य इस कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए चिंता करें। बैठक में जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह भदौरिया,जिला मंत्री उपेंद्र राजौरिया, जिला कार्यालय मंत्री आरबी सिंह बघेल एडवोकेट,सह कार्यालय मंत्री रोहित शाक्य,वन खंडेश्वर मंडल अध्यक्ष अमित जैन,नेताजी सुभाष चंद्र बोस, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू,महामंत्रियों में संतोष सिंह कुशवाह, भारौली धर्मेंद्र सोनी, राजीव उपाध्याय,अनुज सियार प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# कांग्रेस में अब वक्ताओं का भी अकालः रंजना साहू

## जनता को मुख्यमंत्री जवाब नहीं दे पा रहे, इसलिए चल रहा वक्ता खोजो अभियान

**ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी**

रायपुर। छत्तीसगड़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कांग्रेस द्वारा हर जिले में 10 वक्ता नियुक्त करने साक्षात्कार आयोजित करने पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा है कि अब तक कांग्रेस में नेताओं का अकाल सामने आ रहा था, अब लगता है कि वक्ताओं की भी कमी हो गई है जो लालटेन लेकर वक्ता खोज रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जनता को जवाब नहीं दे पा रहे। उनके मंत्री जवाब नहीं दे पा रहे। उनके विधायक जनता का सामना नहीं कर पा रहे और कांग्रेस के प्रवक्ता भी भाजपा के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे इसलिए अब वक्ता खोजो अभियान चल रहा है। यह भी विचित्र बात है कि जो कांग्रेस पार्टी का नहीं है, वह भी कांग्रेस का वक्ता हो सकता है। कांग्रेसी वक्ता बनने योग्य नहीं रह गए हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस हर जिले में 10 क्या 100 वक्ता बना ले, लेकिन क्या सच बोलने और स्वीकार करने की हिम्मत जुटा पाएंगेड़ कांग्रेस के छोटे से कार्यकाल में छत्तीसगढ़ में 7 हजार बलात्कार हो गए। 3 हजार लोगों की निर्मम हत्या हो गई। 26 हजार लोगों ने इस सरकार से निराश होकर आत्महत्या कर ली। 25 हजार नवजात शिशु की मौत इलाज के अभाव में हो गई। केंद्र सरकार की कोई योजना यहां सलीके से अमल में नहीं है। केंद्र की योजनाओं की रकम का दुरुपयोग किया जा रहा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा को लांघ गया है। आरक्षण छीन लिया गया है। गरीबों का आवास छीन लिया। अन्न हड़प लिया। लूट मची हुई है। केंद्र ने जो पैसा दिया, पता नहीं कहां गयाड़ नए वक्ता क्या इसका जवाब देने की हिम्मत जुटा पाएंगे।

# मैं निजी कार्यक्रम में गया था, किसी राजनीतिक पार्टी कार्यक्रम में नहीं : चौ. राकेश सिंह

**पंकज त्रिपाठी**
**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड ।** पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा कि मुझे बदनाम करने का षड्यंत्रकारियो द्वारा जो गलत तरीके से बताया जा रहा है, तो मैं चौ राकेश सिंह स्पष्ट करता हूं,कि मैं कोई बीजेपी और ना ही सिंधिया के कार्यक्रम में नहीं गया था । पूर्व मंत्री चौ राकेश सिंह ने कहा कि मैं 15 अप्रैल 2023 को स्व. हरिसिंह नरवरिया की द्वतीय पुण्यतिथि और मूर्ति अनावरण में नरवरिया जी के लड़के के निजी बुलावे पर निजी कार्यक्रम में गया था। पूर्व मंत्री चौ राकेश सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक स्व. हरिसिंह नरवरिया 1990 में कांग्रेस में मेरे साथ के विधायक थे,मेरा व्यक्तिगत उनसे

परिवारिक सम्बंध थे। चौ राकेश सिंह ने कहा कि श्री नरवरिया के परिवार का मूर्त्ति अनावरण एव द्वतीय पुण्य तिथि पर श्री नरवरिया के लड़के व परिवार के कार्यक्रम में गया था , मैंने स्व. हरि सिंह नरवरिया व स्व. माधव राव सिंधिया के परिवारिक सम्बन्ध के बारे में बोला है। चौ राकेश सिंह ने कहा कि श्री नरवरिया के निजी कार्यक्रम में मैं शामिल हुआ था,उक्त कार्यक्रम में मैने सिर्फ पूर्व विधायक स्व. हरि सिंह नरवरिया के बिषय में बोला था। चौ राकेश सिंह ने कहा कि उक्त कार्यक्रम में मेरे शामिल होने को लेकर एवं मेरे बयानों को षड्यंत्रपूर्वक निजी कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम बताकर गलत प्रचार किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह से निराधार एवं गलत है।

# अम्बाह शांति समिति की बैठक संपन्न तहसीलदार मनोज धाकड़ ने ईद उल फितर व परशुराम जयंती को सौहार्दपूर्ण और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की

**केशब पंडित जी अम्बाह**

अम्बाह। परशुराम जयंती, ईद उल फितर पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर अम्बाह थाना परिषर में बैठक रखी गई अम्बाह प्रभारी टीआई पारथ सिह परिहार मार्गदर्शन में शुक्रवार को तहसील स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। इसी बीच तहसीलदार मनोज धाकड ने कहा कि सामाजिक सद्भाव एवं आपसी भाईचारा अम्बाह क्षैत्र की गौरवशाली परम्परा रही है ,हमें इसे आगे भी कायम रखना है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से सामाजिक सद्भाव को हर हाल में बनाए रखने का आग्रह किया। सभी से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व में सहभागिता कर पर्व मनाने की बात कही। जिस पर सभी पदाधिकारियों ने सहमति जताई,बैठक में परशुराम जयंती, ईद उल फितर सहित आगामी त्योहारों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। लोगों ने कई समस्याओं से भी अवगत कराया। कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई।

**साफ़ सफ़ाई के साथ पीने की पानी समुचित व्यवस्था के दिए निर्देश-** प्रभारी

एडीओपी सुरेन्द्र सिह ने भी निर्देश दिए कि परशुराम जयंती एवं ईद के कार्यक्रम होने नमाज़ स्थल व परशुराम जयंती की पूज स्थल पर लाइट साफ़ सफ़ाई पीने के पानी की समूर्ण व्यवस्था की जाए पूजा और इबादत दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नही होना चाहिए। तदोपरान्त बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी टीआई पारथ सिह परिहार ने कहा कि मैने अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने अम्बाह में आपसी भाईचारे की मिसाल को देखा है। उन्होंने उपस्थित समाज के अध्यक्ष से इसी भाई चारे के साथ त्योहार को सकारात्मक माहौल में मनाने की बात कही। कहा कि धार्मिक आयोजन में लाउडस्पीकर की आवाज निर्धारित ध्वनि तीव्रता के अंतर्गत रखी जाए। बैठक में ये रहे उपस्थित ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष दाऊदयाल शर्मा अखिल भारतीय ब्राम्हण मु समाज के नबागत अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा चौधरी उमाचरन कटारे कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जय राजौरिया डालडा पडित जी अशोक मुदगल बादाम सिह तोमर बल्ली तोमर ब्रजकिशोर सखबार एवं पत्रकार बंधु एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

# कांग्रेस संगठन के बीच बदलाव को लेकर भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता का तंज

## कांग्रेस में जाने और आने वालो के लंबी गुटीय लड़ाई चल रही है

**ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा है कि कांग्रेस के नेताओं और प्रदेश सरकार में कोहराम की गूंज सुनाई पड़ रही है। श्री गुप्ता ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चल रही सियासी कवायद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह उठापटक इस बात की तस्दीक करती है कि कांग्रेस के अंदरखाने सत्ता और संगठन में तालमेल का अभाव है। चुनावी वर्ष में कांग्रेस में इस ऊहापोह की परिणिति किस रूप में होगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी लड़ाई चरम पर है। कई दिनों से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की ड़बरें सियासी पारे को गर्म कर रही हैं। लेकिन, प्रदेश अध्यक्ष को बदलने की घोषणा हाईकमान नहीं कर पा रहा है। श्री गुप्ता ने कहा

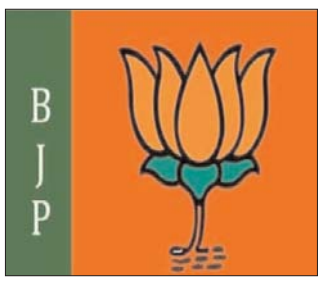


कि हाईकमान के अनिर्णय की स्थिति की वजह यह है कि जो बदले जाने हैं, उनका एक गुट है जो संगठन पर दबाव डाल रहा है, इधर नए संभावित प्रदेश अध्यक्ष का भी अपना एक गुट है। इसलिए बार-बार यह खबरें आती है कि वो आने वाले हैं और ये जाने वाले हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि ऐसी दशा में जाने वाले और आने वाले के बीच में जो यह लड़ाई चल रही है, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस पूरी तरह बिगर चुकी है, अंदर से टूट चुकी है। श्री गुप्ता ने कहा कि आपसी तालमेल जैसी कोई बात इनमें रह नहीं गई है। इसके चलते सत्ता और संगठन में भी समन्वय का पूरी तरह अभाव हो गया है। श्री गुप्ता ने कहा कि ऐसे हालात में उस पार्टी का क्या होना है, जहां मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष को ही बार-बार अपमानित किया जाता है।

# प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में अरबों का हुआ घोटाला अभी तक दोषियों पर कार्यवाही क्यों नहीं: कांग्रेस

**पुष्पांजली टुडे**
**पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड**

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा और प्रवक्ता अमिताभ अग्निहोत्री ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से बताया कि मध्यप्रदेष में भाजपा शासन के संरक्षण में चिकित्सा के क्षेत्र में अरबों रूपये का ''आयुष्मान भारत योजना'' में घोटाला हो रहा है। आयुष्मान पोर्टल के अनुसार प्रदेश में 627 आयुष्मान निजी अस्पतालों में से अनियमितता के कारण 422 आयुष्मान अस्पतालों को निलम्बित किया जा चुका है, जबकि मध्यप्रदेश शासन ने मध्यप्रदेश विधानसभा में अनियमितता करने वाले मात्र 154 अस्पतालों की सूची दी है। अनियमितता करने वाले अस्पतालों एवं अनियमितता को संरक्षण देने वाले अधिकारियों, नेताओं पर मध्यप्रदेष शासन ने एफ.आई.आर. दर्ज क्यों नहीं करायी है ? इससे आशंका है कि इस अरबों रूपये के घोटाले को मध्यप्रदेश शासन की भाजपा सरकार पूर्ण संरक्षण दे रही है एवं गरीब जनता के स्वास्थ्य के लिए निर्धारित की गई राषि में महाघोटाला किया जा रहा है। सम्पूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं-

**(आयुष्मान घोटाला के प्रमुख तथ्य)**

शासन एवं चिकित्सा माफिया के गठजोड़ से प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में हुए अरबों रूपये के घोटाले की जाँच सी.बी.आई. से कराई जावे।

(1) शासन ने विधानसभा में अतारांकित प्रष्न 983 दिनांक 20/12/2022 में स्वीकार किया (जिसमें डेटा स्त्रोत, इनसाईट पोर्टल, एचईएम दिनांक 06/12/2022) की स्थिति में स्वीकार किया कि आयुष्मान योजनान्तर्गत 506 निजी चिकित्सालय हैं।

(2) शासन ने इसी प्रश्न में स्वीकार किया कि ''आयुष्मान भारत योजना'' में 20 मार्च, 2020 से प्रष्न दिनांक तक 51 जिलों में 5,16,589 मरीजों को इलाज में 16,10,32,40,343 रू. (रूपये सौलह अरब दस करोड़ बत्तीस लाख चालीस हजार तीन सौ तिरतालीस मात्र) खर्च किये।

(3) इसी प्रश्न में शासन ने स्वीकार किया कि 154 आयुष्मान चिकित्सालयों में अनियमितता पाई थी, जिस पर कार्यवाही की। (मामूली कार्यवाही की) शासन के सदन में दिये गये उत्तर से प्रश्न यह उठता है कि मात्र 1 अस्पताल पर एफआईआर दर्ज की गई है, शेष 153 अस्तपालों पर एफआईआर क्यों नहीं की गई।

(4) विधायक जयवर्धन सिंह ने मुख्यमंत्री की दिनांक 22/12/2022 को लिखे पत्र में कहा कि विधानसभा में शासन ने जो जानकारी रखी है, उसमें भोपाल जिले में पब्लिक चिकित्सालय 2, प्राइवेट नॉट फॉर प्रॉफिट 3, प्राइवेट फॉर प्रॉफिट 109, कुल 114 अस्पताल बताये हैं। जबकि आयुष्मान पोर्टल पर भोपाल जिले में पब्लिक चिकित्सालय 14, प्रायवेट नॉट फॉर प्रॉफिट अस्पताल 22 और प्राइवेट फॉर प्रॉफिट 177, कुल 213 अस्पताल बताये गये हैं। विधानसभा में दी गई जानकारी एवं आयुष्मान पोर्टल की जानकारी में भिन्न क्यों है।

(5) विधायक जयवर्धन सिंह ने विधानसभा में सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर दिनांक 22/12/2022 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखा कि विधानसभा प्रश्न क्रमांक- 983 में दी गई जानकारी अधूरी है, क्योंकि चाही गई जानकारी में चिकित्सालयों के नाम, कब और क्या कार्यवाही की, पृथक-पृथक सदन में माँगी गई थी। जबकि उत्तर में चिकित्सालय का नाम और एक लाईन में कार्यवाही लिखी है,जो अधूरी है।

(6) विधानसभा जानकारी एवं वेबसाईट जानकारी समान होना चाहिए, जो सही नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जनता एवं सदन को गुमराह किया गया। संबंधितों पर कार्यवाही हो।

(7) विधायक जयवर्धन सिंह ने लिखा कि स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में दिये गये उत्तर में शासन द्वारा प्राइवेट नॉट फॉर प्रॉफिट की जानकारी निरंक दी है, जबकि शासन द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों की जानकारी दी है, उनमें 3 चिकित्सालय ऐसे हैं, जो प्राइवेट नॉट फॉर प्रॉफिट में आयुष्मान के पोर्टल पर दर्षाये हैं- (1) राजदीप इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग (2) यूनिक हॉस्पिटल (3) आयुष्मान हाईटेक चिकित्सालय। एक ही चिकित्सालय 2 कैटेगिरी में कैसे हो सकता है।

(8) 200 करोड़ की गड़बड़ी सामने आई - समाचार-पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित भी किया कि ÷120 अस्पतालों में 200 करोड़ रूपये की गड़बड़ी सामने आई। कॉंग्रेस ने आरोप लगाया कि 422 अस्पतालों में यह गड़बड़ी अनुमानित कम से कम 500 करोड़ की हो सकती है।'

(9) पेपर प्रकाशन - समाचार पत्रों ने प्रकाषित किया कि कई आईएएस अधिकारियों के कार्यकाल में आयुष्मान अस्पतालों को करोड़ों रूपयों का भुगतान हुआ, जिन अधिकारियों के कार्यकाल में गड़बड़ी हुई, उनके नाम इस प्रकार हैं- पल्लवी जैन गोविल-प्रमुख सचिव, मोहम्मद सुलेमान-अपर मुख्य सचिव, प्रतीक हजेला- आयुक्त, संजय गोयल-प्रमुख सचिव, आकाश त्रिपाठी-आयुक्त, सुदाम खेड़े- आयुक्त, जे. विजय कुमार-सीईओ, अनुराग चौधरी-सीईओ, सपना लोवंशी कार्यकारी अधिकारी। कैलाश मकवाना लोकायुक्त डी.जी. रहते सपना लोंवषी के खिलाफ जाँच की अनुमति माँग चुके थे। आयुष्मान योजना में 9 लाख के लेन-देन की वीडियो वायरल होने पर जाँच कराना पड़ी। राज्य शासन ने आयुष्मान योजना के सीईओ अनुराग चौधरी को हटाया। इसकी वजह भी नौ लाख के लेन - देन से जुड़ा वीडियो बताया जाता है।

(10) कॉंग्रेस ने आयुष्मान की वेबसाइट से जो जानकारी निकाली, उसमें निलम्बित अस्पतालों की सूची 422 बतायी गयी है, जिसमें 84 अस्पताल भोपाल के, प्रॉफिट के आयुष्मान अस्पताल 545 एवं नॉन प्रॉफिट के आयुष्मान अस्पताल 82 बताये गये हैं। अर्थात् मध्यप्रदेश में निजी आयुष्मान अस्पताल 545 व 82 मिलाकर कुल 627 को कार्यरत बताया जा रहा है। इस मान से प्रदेश में कुल 205 आयुष्मान चिकित्सालय सक्रिय हैं।

(11) जिन अस्पतालों ने अनियमितताऐं की, उनके विरूद्ध एफआईआर क्यों नहीं कराई जिन अधिकारियों, नेताओं के सरंक्षण में यह 422 अस्पतालों ने अनियमितताऐं की, उन अधिकारियों, नेताओं के विरूद्ध एफआईआर क्यों नहीं कराई। जेल क्यों नहीं भेजा कोर्ट में केस दायर क्यों नहीं किया।

(12) जिन अधिकारियों ने विधानसभा में गलत जानकारी दी, उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं की।

(13) यह जानकारी क्यों नहीं दी कि अनियमितता करने वाले 422 अस्पतालों में प्रत्येक अस्पताल ने क्या अनियमिमता की। कितनी राषि की अनियमिता की। यह तथ्य जनता के समक्ष क्यों नहीं लाया जा रहा है।विधानसभा में प्रस्तुत जानकारी एवं आयुष्मान पोर्टल पर प्रस्तुत जानकारी में इतना बड़ा अंतर क्यों हैं। मुख्यमंत्री आप और मंत्री, अधिकारी, चिकित्सा माफिया के विरूद्ध सीबीआई जाँच का आदेष क्यों नहीं देते, जिनकी वजह से इतना बड़ा घोटाला हुआ है। गरीबों को स्वास्थ्य के लिए बनाई गई ''आयुष्मान भारत योजना'' में प्रदेश में भाजपा शासन एवं चिकित्सा माफिया के गठजोड़ से ''आयुष्मान भारत योजना'' में हुए अरबों रूपये के घोटाले पर चिकित्सा माफिया, दोषी अधिकारियों एवं नेताओं पर मध्यप्रदेष शासन 7 दिवस में एफआईआर दर्ज कराकर गरीब जनता के साथ न्याय करे।

क्या ईगो की वजह से हुआ स्टेडियम विवाद ?

# राजस्थान रॉयल्स ने खेलमंत्री को साइड किया; सीधे डीलिंग आरसीए

**जयपुर।** जयपुर के सवाई मान सिंह (स्र्स्) स्टेडियम में बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) से पहले बड़ा विवाद हो गया था। खेलमंत्री अशोक चांदना ने बिना अनुमति स्टेडियम में निर्माण कराने को लेकर ङ्खढ्ढक्कस्टैंड को सील करा दिया। ङ्खढ्ढक्क स्टैंड को सील करने के बाद पास-टिकट धारकों को एंट्री नहीं दी गई है। इसके बाद वहां हंगामा हो गया। एडिश्नल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर कुंवर राष्ट्रदीप की खेल मंत्री अशोक चांदना से नोकझोंक भी हो गई। हालांकि मैच से ठीक पहले सशर्त सहमति के बाद विवाद थमा और दर्शकों को स्टेडियम में एंट्री मिल गई। मगर यह विवाद सिर्फ एक मैच के लिए ही टला है। अगर अब भी राजस्थान रॉयल्स और खेल विभाग के बीच सहमति नहीं होती है तो आने वाले दिनों में इस मसले को लेकर और हंगामा देखने को मिल सकता है। इस विवाद की शुरुआत 18 अप्रैल को हुई। राजस्थान स्पोटर्स काउंसिल के उपाध्यक्ष सतवीर चौधरी और सुशील पारीक ने खेलमंत्री अशोक चांदना को पत्र लिखकर बताया कि स्टेडियम में उनके कक्ष के बाहर अस्थाई बॉक्स बना दिए हैं, जो गैर कानूनी हैं। साथ ही वर्किंग डे में कार्मिकों को आने-जाने के लिए भी मना किया जा रहा है। इन पत्रों के आधार पर चांदना स्टेडियम पहुंचे और बॉक्स के साथ-साथ वीआईपी स्टैंड को गलत ठहराते हुए हटाने की बात कह डाली। खेलमंत्री अशोक चांदना का कहना



था कि राजस्थान रॉयल्स ने बिना अनुमति स्टेडियम में आरसीसी के साथ पक्का निर्माण कराया है। इसके लिए उन्हें खेल विभाग से अनुमति लेनी चाहिए थी। राजस्थान रॉयल्स का कहना था कि उन्होंने एक भी काम बिना अनुमति नहीं किया है। रॉयल्स के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हर चीज की अनुमति ली है। इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी बिना अनुमति कोई काम नहीं करेगी। आपसी मतभेद - खेलमंत्री भले ही अशोक चांदना हों, मगर स्पोटर्स काउंसिल की चेयरमैन कृष्णा पूनिया और मुख्य खेल अधिकारी उनके पति वीरेंद्र पूनिया हैं। स्पोटर्स काउंसिल का काम एकदम अलग है। खेलमंत्री और काउंसिल चेयरमैन के बीच का मनमुटाव भी इसकी एक वजह है। इगो - राजस्थान रॉयल्स ने इस पूरे मामले में डीलिंग राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और स्पोटर्स काउंसिल से की। इस मामले में खेल विभाग और खेलमंत्री का इनवॉल्वमेंट नहीं रहा। ऐसे में कुछ लोगों का यह भी कहना है कि खेलमंत्री यह बताना चाहते थे कि आखिरकार मंत्री वे हैं। गैर कानूनी - रॉयल्स ने अस्थाई निर्माण की अनुमति तो ली। मगर आरसीसी के साथ वहां पक्का निर्माण भी कर दिया। यह नियमों के विरूद्ध था। जिसके चलते खेलमंत्री विरोध में आए। लापरवाही - आरसीए सहित तमाम एजेंसी की लापरवाही रही। रॉयल्स ने वीआईपी स्टैंड का काम लगभग महीने भर पहले शुरू कर दिया था। इसके बावजूद इसे अनदेखा कर दिया गया। आखिरकार राजस्थान रॉयल्स और खेलमंत्री अशोक चांदना के बीच यह सहमति बनी कि इस मैच के बाद रॉयल्स इस निर्माण के लिए अनुमति खेल विभाग से मांगेगा।

आई पी एल 2023 में हैट्रिक लेने वाले राशिद खान का इंटरव्यू

# बोले-विदेशी लीग में अच्छा करने वालों को आई पी एल में मौका मिलने की उम्मीद ज्यादा

**अहमदाबाद।** गुजरात टाइटंस के उपकप्तान और दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज राशिद खान मौजूदा ढ्ढक्क में हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। वे इस लीग में 97 मैच खेल चुके हैं और 123 विकेट ले चुके हैं। उनका मानना है कि विदेशी लीग में अच्छा प्रदर्शन कर खिलाड़ी ढ्ढक्क में जगह तो बना लेता है, लेकिन यहां बने रहने के लिए निरंतरता जरूरी है। राशिद ने कहा कि गैरी कर्स्टन की वजह से उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार हुआ है। किसी विदेशी के लिए ढ्ढक्क में 100 मैच खेलना बड़ी बात है। पहले 5 साल सनराइजर्स हैदराबाद से खेला। अब गुजरात का हिस्सा हूं। आप विदेशी लीग में प्रदर्शन करके ढ्ढक्क




में जगह बना सकते हैं, लेकिन यहां सबसे बड़ी चुनौती खुद को बनाए रखना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना है। हां, मुझे ऐसा लगता है। अब बैटिंग ऑलराउंडर को बैटिंग में 70त्न और बॉलिंग में 30त्न देना होगा जबकि बॉलिंग ऑलराउंडर को बॉलिंग में 70त्न और बैटिंग में 30त्न देना होगा। अब थोड़ी बॉलिंग और थोड़ी बैटिंग से काम नहीं चलेगा। पहले टीमें सेट हो गई थीं। अब टीमें और खिलाड़ी बदल चुके हैं। नए खिलाड़ियों को घरेलू मैदान की परिस्थितियों से तालमेल बिठाने में समय लगेगा। खिलाड़ियों को मौसम से भी सामंजस्य बिठाना होगा। 2-3 साल बाद टीमें घरेलू मैदान पर फिर से अच्छा करने लगेंगी। इन तीन में एक तेज गेंदबाज हैं फजल हक फारूकी। यह अफगान के लिए अच्छा संकेत है। पहले हमारे स्पिनर अच्छा कर रहे थे। अब तेज गेंदबाज भी अच्छा कर रहे हैं। फारूकी के अलावा हमारे पास नवीन उल हक भी हैं।

8 आई पी एल स्टार खटखटा रहे टीम इंडिया का दरवाजा

# रिंकू अब रसेल से बेहतर फिनिशर, बटलर को टक्कर दे रहे यशस्वी जायसवाल

इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 16वें सीजन के 26 मैच खेले जा चुके हैं। इस सीजन की अब तक की खासियत रही है भारत के युवा सितारों का शानदार प्रदर्शन। इन सितारों ने अपने दमदार प्रदर्शन से ञ्च20ढ्ढ के लिए टीम इंडिया की दावेदारी भी ठोंक दी है। इनमें कुछ ऐसे हैं जो भारत के लिए अब तक नहीं खेले हैं। वहीं, कुछ जिन्हें भारतीय टीम में दो-चार मौके मिले लेकिन जल्द ही बाहर कर दिया गया। इस सीजन के 13वें मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स को रोमांचक जीत दिलाने वाले रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं। रिंकू यूपी के लिए खेलते हैं। रिंकू सिंह ने गुजरात के खिलाफ आखिरी ओवर में लगातार पांच गेंदों पर 5 छक्के जड़े और कोलकाता को जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में 21 गेंदों पर 48 रन ठोककर नाबाद पारी खेली। एक विस्?फोटक बैटर होने के चलते रिंकू को साल 2013 में उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह दी गई थी। बाद में वो अपने स्?टेट की अंडर-19 टीम का भी हिस्?सा बने। विजय हजारे ट्रॉफी 2018 में वो त्रिपुरा के खिलाफ 44 गेंदों पर 91 रन ठोककर चर्चा में आए। रिंकू ने ढ्ढक्क डेब्यू 2018 में किया था। इस साल उन्हें ्यय्यक्र ने 55 लाख में टीम में शामिल किया था। 21 साल के यशस्वी जायसवाल का ढ्ढक्क के इस सीजन में अभी तक काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है, जिसमें 6 मैचों में 2 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिल चुकी हैं। उत्तर प्रदेश के भदोही के रहने वाले यशस्वी का अब तक का ढ्ढक्क करियर काफी प्रभावित करने वाला रहा है। यशस्वी ने साल 2020 में ढ्ढक्क में डेब्यू किया था। यशस्वी मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। यशस्वी भारतीय घरेलू क्रिकेट में पहले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है। यशस्वी ने इस साल घरेलू सीजन की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था। वह लिस्ट ए में दोहरा शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं।

# हैदराबाद के ड्राइवर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले किया फोन, पैसों का लालच दिया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ङ्खष्टक्च) के गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ड्ढष्टष्टढ्ढ से एक फोन कॉल की शिकायत की है। सिराज ने कहा कि एक व्यक्ति ने उन्हें फोन किया था और टीम के अंदर की खबर मांगी। ड्ढष्टष्टढ्ढ और एंटी करप्शन यूनिट (्रष्टरू) इस मामले की जांच में जुट गई हैं। न्यूज एजेंसी क्कञ्जढ्ढ को इस मामले की जानकारी रखने वाले ड्ढष्टष्टढ्ढ अधिकारी ने बताया कि सिराज को फोन करने वाला हैदराबाद का एक ड्राइवर है। वह सट्टेबाजी का आदी है। मैच में बहुत सारा पैसा सट्टेबाजी में हारने के बाद उसने यह कॉल की थी। इस व्यक्ति ने सिराज को पैसों का लालच भी दिया था। यह घटना ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे पर आने से ठीक पहले की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसी साल फरवरी और मार्च के महीने में भारत का दौरा किया था। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने सिराज को फोन करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि यह व्यक्ति मैचों में सट्?टेबाजी में लाखों रुपए हार चुका है। टीम के साथ ्रष्टरू का अधिकारी होता है। वह खिलाड़ियों की हर गतिविधि पर नजर रखता है। ्रष्टरू अधिकारी खिलाड़ियों को क्या करें और क्या न करें, इसकी भी जानकारी देता है। अगर किसी खिलाड़ी से कोई अनजान व्यक्ति किसी भी माध्यम से संपर्क करता है तो खिलाड़ियों को तुरंत इसकी जानकारी ्रष्टरू अधिकारियों को देनी होती है। यदि कोई प्लेयर जानकारी नहीं देता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होती है। ढ्ढक्क में स्पॉट फिक्सिंग का मामला पहले भी सामने आ चुका है। साल 2013 में राजस्थान रॉयल्स के तीन खिलाड़ियों एस श्रीसंत, अंकित चव्हाण और अजित चंदीला पर फिक्सिंग के आरोप लगे थे।

राजस्थान रॉयल्स ने खेल मंत्री से माफी मांगी

# चांदना ने सील कराया था वीआईपी स्टैंड; जयपुर में चार साल बाद हुआ आई पी एल मैच

**जयपुर।** सुबह से लेकर शाम तक गहमागहमी के बाद आखिरकार सवाई मान सिंह (स्र्स्) स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) का चार साल बाद मैच खेला गया। इससे पहले बुधवार को दिन भर स्टेडियम में बनाए गए ङ्खढ्ढक्क स्टैंड को सील करने के बाद पास-टिकट धारकों को एंट्री नहीं मिलने के कारण हंगामा होता रहा। एडिश्नल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर कुंवर राष्ट्रदीप फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे तो खेल मंत्री अशोक चांदना से नोकझोंक भी हो गई थी। करीब 45 मिनट तक दोनों के बीच बंद कमरे में बात हुई, जिसके बाद ङ्खढ्ढक्क स्टैंड की सील खोलने पर सहमति बनी। खेल मंत्री चांदना ने कहा- राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट ने माफी मांगी है, जिसके बाद दर्शकों के लिए ङ्खढ्ढक्क स्टैंड को खोल दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मुझे बताया कि राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट आज ही परमिशन के लिए अप्लाई करना चाहता था। ऑफिस टाइमिंग खत्म होने की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। उधर, गेट का ताला खुलने के बाद ङ्खढ्ढक्क स्टैंड की सीटों पर कब्जा जमाए चांदना के समर्थकों से कुर्सियां खाली कराई गईं। इसके लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद पास-टिकट धारक अपनी-अपनी सीट पर बैठ पाए। इससे पहले ङ्खढ्ढक्कस्टैंड में खेल मंत्री के समर्थक जुट गए थे।

# आथिया चियर करने पहुंचीं; बटलर ने लगाया सीजन का दूसरा सबसे लंबा छक्का

**जयपुर।** जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में रुस्त्र के कप्तान केएल राहुल के 2 कैच छूटे। उन्हें कुल तीन जीवनदान मिले। राहुल को सपोर्ट करने के लिए उनकी पत्नी आथिया शेट्टी स्टेडियम पहुंची थीं। वहीं, राजस्थान के ओपनर जोस बटलर ने सीजन का दूसरा सबसे लंबा सिक्स लगाया???। ?मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल को पावरप्ले के दौरान 2 जीवनदान मिले। जायसवाल-होल्डर ने उनके कैच ड्रॉप किए। चौथे ओवर में संदीप बॉलिंग कर रहे थे। पहली बॉल पर बोल्ट ने फुल लेंथ बॉल फेंकी। इसे राहुल ने उठाते हुए एक्स्ट्रा कवर की ओर खेला। वहां यशस्वी जायसवाल मौजूद थे, लेकिन



उन्होंने कैच ड्रॉप कर दिया। राहुल का दूसरा कैच बोल्ट ने अपने ही गेंद पर छोड़ा। पांचवें ओवर की आखिरी बॉल पर बोल्ट ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ बॉल फेंकी। राहुल ने शॉट मिसटाइम किया और मिड ऑफ पर शॉट खेला। होल्डर ने दौड़ते हुए कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथों से छिटक गई। पहले होल्डर ने पांचवें ओवर में राहुल का कैच छोड़ा फिर 11वें ओवर में उनका विकेट लिया। बटलर ने उनका कैच पकड़ा। पहले होल्डर ने पांचवें ओवर में राहुल का कैच छोड़ा फिर 11वें ओवर में उनका विकेट लिया। बटलर ने उनका कैच पकड़ा। युद्धवीर सिंह के 5वे ओवर की चौथी बॉल पर बटलर ने डीप मिड विकेट की ओर शॉट खेला और 112 मीटर का छक्का लगा दिया।

राहुल ने जीत का क्रेडिट गेंदबाजों को दिया

# राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद बोले- हमने कम रनों की भरपाई बेहतर बॉलिंग से की

**जयपुर।** आई पी एल के 16वें सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने राजस्थान रॉयल्स को उसके घरेलू मैदान पर 10 रन से हराया। यह लखनऊ की ढ्ढक्क में राजस्थान पर पहली जीत है। जीत के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि यहां ओस नहीं थी। इसलिए दोनों टीमों के लिए बराबर मौके थे। उन्होंने आगे कहा- जब यहां मैच खेलने आए तो हमें लगा कि यहां पर स्कोर 180 रन का हो सकता है। हमने 10 रन कम बनाए। यहां पर गेंद थोड़ी नीची रह रही थी। इसलिए हमने पावर प्ले में खुद को समय दिया। अगर हम थोड़ा और बेहतर खेलते तो 170 रन भी मिल जाते। पर हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और हमें मैच में बनाए रखा। हमें पता था कि उनकी ताकत टॉप चार बल्लेबाज हैं, इसलिए हमें उन्हें आउट करने के




लिए योजना बनाने की जरूरत थी। राजस्थान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में राजस्थान के बल्लेबाज 20 ओवर में 6 विकेट पर 144 रन ही बना सके। कप्तान केएल राहुल और काइल मेयर्स ने धीमी शुरुआत के बाद 65 गेंद पर 82 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम को धीमी, लेकिन मजबूत शुरुआत दिलाई। यहां केएल राहुल आउट हुए। राहुल के पीछे- पीछे आयुष बडोनी भी पवेलियन लौट गए। मेयर्स ने मौजूदा सीजन का तीसरा अर्धशतक जमाया। उन्होंने 40 बॉल में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 42 बॉल पर 51 रनों की पारी खेली। इस पारी में 4 चौके और 3 छक्के शामिल थे। वहीं राहुल ने 32 गेंदों पर 39 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे सफल गेंदबाज भारतीय अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन रहे। उन्होंने अपनी टीम के लिए चार ओवरों की गेंदबाजी करते हुए 23 रन पर सर्वाधिक दो विकेट हासिल किए। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए सबसे सफल गेंदबाज आवेश खान रहे। उन्होंने चार ओवरों की गेंदबाजी करते हुए 25 रन खर्च कर तीन विकेट चटकाए।

मिलिए भारत के नए बैडमिंटन सुपर स्टार प्रियांशु राजावत से

# फ्रांस में बने इंटरनेशनल चैंपियन, अब वर्ल्ड नंबर-1 को हराना टारगेट

**नई दिल्ली।** दुनिया में सबसे ज्यादा खेले जाने वाले स्पोर्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद बैडमिंटन से भारत से एक और वर्ल्ड क्लास प्लेयर सामने आ रहा है। प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, किदांबी श्रीकांत जैसे टैलेंट देख चुके अपने देश में मध्य प्रदेश के धार जिले का एक 20 साल का युवक खेल का राइजिंग स्टार बन रहा है। नाम प्रियांशु राजावत है। प्रियांशु इसी महीने फ्रांस के ऑर्लियन्स में ड्ड्ढस्न सुपर-300 टूनार्मेंट में चैंपियन बने हैं। 12 साल बाद किसी भारतीय ने यह खिताब जीता है। उनसे पहले 2012 में आनंद पवार ने यहां ट्रॉफी जीती थी। चैंपियन बनने के सफर में प्रियांशु ने वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-20 में शामिल खिलाड़ियों को भी मात दी। जीत की बदौलत प्रियांशु रैंकिंग में 31वें नंबर तक पहुंचे। इसके बाद रैंकिंग में मामूली गिरावट आई है और वे फिलहाल 38वें नंबर पर हैं। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों में वे एच एस प्रणय, किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन के बाद चौथे नंबर पर हैं। प्रियांशु- मेरा पहला मैच किरण से जीता। फिर मुकाबला केंटा निशिमोटो से हुआ। निशिमोटा वर्ल्ड नंबर-12 प्लेयर हैं। फिर मैंने सोचा कि रैंकिंग से कुछ नहीं होता, मुझे अपना 100 प्रतिशत देना है। मैंने स्टेप बाय स्टेप प्लान तैयार किया। वह मैच जीता। फिर फाइनल से पहले सोचा कि इसे हल्के में नहीं लेना है। मैं पहले गेम में डॉमिनेट कर रहा था और जीत भी गया, लेकिन दूसरे गेम में मैग्नस जोहानसन की लीड कवर करने के



बाद भी हार गया। तीसरे गेम में मैंने बढ़त बनाई, लेकिन जोहानसन ने कवर कर लिया और लीड ले ली। वहां मैंने सोचा कि गेम छोड़ना नहीं है। उन्हें गेम जल्दी समाप्त करने की जल्दी है। ऐसे में मुझे शटल अंदर रखना है। मैंने रखा और मुझे पॉइंट मिले। मैं चैंपियन बना। प्रियांशु- आमतौर पर मैं मैच जल्दी खत्म करने की कोशिश करता हूं। इसकी वजह से कई बार गलतियां कर बैठता हूं और मैच गंवा देता हूं। कोच कहा था जल्दबाजी मत करना और धौर्य रखना। तब मुझे लगा कि जीतने के लिए मैच को जल्दी खत्म करने की सोच से उबरना होगा। मैंने पूरे टूर्नामेंट में मैच के दौरान धैर्य रखा और इसका फायदा भी मिला। प्रियांशु- पहले मैंने खान-पान का ध्यान रखा। बाहर का खाना बंद कर दिया। खास तौर पर जंक-फूड। फिर फिटनेस हासिल करने के लिए जिम सेशन पर पूरा फोकस किया। साथ ही रनिंग की। वहीं ट्रेनिंग सेशन में दिए गए वर्क को पूरे मन से करने की कोशिश की। पहले दो टूर्नामेंट में कुछ नहीं कर पाया, फिर लगा कि यह टूर्नामेंट छोड़ दूं, लेकिन मैंने तय किया कि छोड़ने के बजाय इस पर फोकस करूं। मैच जीता, उसके बाद जैसे-जैसे मैच जीतता गया, मैं अपना फोकस बढ़ाता गया। अब टूर्नामेंट जीतकर अच्छा लग रहा है। प्रियांशु- नहीं, वर्ल्ड नंबर बनना टारगेट है। मुझे वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतना है और फिर पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाई करना है। इस साल से ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट शुरू हो जाएंगे।

# जानिए कौन है वह मशहूर डिजाइनर जिस का लहंगा शादी में पहनेंगी परिणीति चोपड़ा

एक्ट्रेस परिणीती चोपड़ा इन दिनों अपने पर्सनल लाइफ को लेकर काफी ज्यादा चर्चा में हैं. आम आदमी पार्टी नेता राघव चड्ढा के साथ शादी को लेकर काफी ज्यादा चर्चा हो रही है। इसी बीच परिणीती चोपड़ा मनीष मल्होत्रा के घर नजर आईं, जहां उन्हें देखने के बाद से लगातार इस बात की चर्चा हो रही है कि परिणीती अपने शादी के लहंगे को फाइनल करने के लिए गई हैं. परिणीती की यह फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। बता दें कि वायरल हो रही तस्वीर में परिणीती चोपड़ा एकदम अलग अंदाज में नजर आ रही हैं. बता दें कि परिणीती चोपड़ा के सादगी भरे अंदाज से सभी फैंस फिदा हो गए हैं. बता दें कि वायरल हो रही तस्वीर में परिणीती की एक क्यूट सी तस्वीर लोगों को अपनी तरफ खींच रही है। बता दें कि परिणीती चोपड़ा वायरल हो रही तस्वीर में एक किलर पोज देती नजर आ रही हैं, परिणीती काफी ज्यादा हसीन लग रही हैं, उनकी यह तस्वीर लोगों को खूब पसंद आ रही है। परिणीती को देखने के बाद साफ हो रहा है कि परिणीती के चेहरे पर शादी का ग्लो नजर आ रहा है. इसके साथ ही परिणीती ने अपने हाथ में एक खूबसूरत सा बैग लिया हुआ है।

# अनुज और अनुपमा की हुई मुलाकात, इस खबर से माया का टूटा दिल

सीरियल अनुपमा इन दिनों काफी ज्यादा चर्चा में बना हुआ है, सीरियल में आए दिन ट्विस्ट पर ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं, अनुज और अनुपमा को बरखा और माया ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है. दोनों ने अनुज और अनुपमा को अलग करने के लिए एडी चोटी एक कर दिया है। वहीं बीते दिनों देखने को मिला है कि बरखा की बैंड बजाने के लिए पाखी कपाड़िया मेंशन पहुंच गई है, वहीं दूसरी तरफ बा कांताबेन के घर जाती हैं और कांताबेन बा की क्लास लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ती है, हालांकि इस सीरियल में आने वाले ट्विस्ट खत्म नहीं होते हैं। वहीं सीरियल में देखने को मिलेगा कि अनुज अंकुश को अहमदाबाद बुलाता है, वह अनुपमा को भी अपनी कंपनी में बुलाता है, वहीं जैसे ही इस बात की खबर माया और बरखा को लगती है वह परेशान हो जाती है। माया को डर लगता है कि अगर अनुज वहां गया तो वहीं का रहकर हो जाएगा, वह अनुपमा के साथ मिलकर छोटी अनु को छीनने की कोशिश करेगा, वहीं पाखी की बात सुन लेती है माया इस बात से परेशान रहती है। माया जैसे ही बात को सुनती है उसे सर दर्द हो जाता है उसे गोली की जरुरत होती है, पाखी उसे गोली देकर ताने सुनाकर आती है।

# निया शर्मा और सुनील शेट्टी ने दइया दइया गाने पर ठुमके लगाए

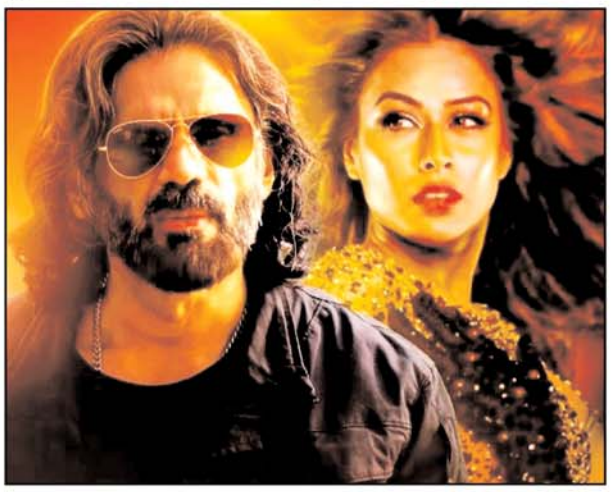

नागिन 4 की अभिनेत्री निया शर्मा ने बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ काम करने और वेब सीरीज हंटर- टूटेगा नहीं तोड़ेगा से नेहा कक्कड़ द्वारा गाए गए लेटेस्ट ट्रैक दइया दइया का हिस्सा बनने के अपने अनुभव को साझा किया। निया ने साझा किया कि उन्हें सुनील के साथ काम करने में मजा आया और वह उनकी फिटनेस देखकर प्रभावित हुईं। अभिनेत्री निया शर्मा ने कहा कि यह गाना एनर्जी से भरपूर है और यह उन सबसे मजेदार और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है, जिनका मैं हिस्सा रही हूं। महान अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ काम करना निश्चित रूप से एक खुशी की बात थी मैं उनकी फिटनेस और उनके कुल लक्ष्यों से अचंभित हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक ट्रैक को पसंद करेंगे और इसके लिए अपना प्यार दिखाएंगे।वेब सीरीज में एसीपी विक्रम सिन्हा की भूमिका निभाने वाले सुनील ने कहा कि दइया दइया, एक गाने के रूप में शो में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मैंने इसका हिस्सा बनकर आनंद लिया है। डांस स्टेप्स और संगीत रहस्यपूर्ण है और मुझे यकीन है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।दूसरी ओर, नेहा ने गाने के बारे में भी बात की और दर्शकों को यह क्यों पसंद आएगा यह बताया। उन्होंने कहा, ट्रैक में अपने आप में एक मजेदार तत्व है, यह आपको चिढ़ाता है और आपको थिरकने पर मजबूर करने की शक्ति रखता है। मैं इस बात से बहुत प्रभावित हूं कि गाना कैसे निकला है।दइया दइया आगामी शो हंटर- टूटेगा नहीं तोड़ेगा का एक ट्रैक है। गाने में सुनील शेट्टी और निया शर्मा एक साथ हैं और इसके बोल सिद्धांत कौशल ने लिखे हैं और संगीत हारून-गेविन ने दिया है।

# योद्धा के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरू की शूटिंग



अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी अगली एक्शन थ्रिलर योद्धा की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो शहर का एक दृश्य दिखाता है और उस पर सुबह 6 बजे का टाइम स्टैम्प लगा है।कैप्शन के लिए उन्होंने लिखा- हैशटैग योद्धा।पुष्कर ओझा और सागर अंबे द्वारा निर्देशित थ्रिलर योद्धा एक हाइजैकिंग कहानी पर आधारित फिल्म है। इसमें सिद्धार्थ एक्शन से भरपूर भूमिका में और बिल्कुल नए अवतार में हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ को-स्टार दिशा पटानी और राशि खन्ना नजर आएंगी।इसके अलावा रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली द इंडियन पुलिस फोर्स भी उनके पास है जो एक्शन से भरा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी जब से शादी के बंधन में बंधे हैं, यह जोड़ी तब से लगातार चर्चा में हैं। पिछले दिनों चर्चाएं थीं कि सिद्धार्थ-कियारा ने करण जौहर संग 3 फिल्मों का करार किया है और यह जोड़ी एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने वाली है।अब सिद्धार्थ संग रोमांटिक फिल्म करने की खबरों पर कियारा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि वह सिद्धार्थ संग एक बार फिर स्क्रीन साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कियारा और सिद्धार्थ को फिल्म शेरशाह में साथ देखा गया था। फिल्म में सिद्धार्थ कैप्टन के किरदार में तो कियारा डिंपल की भूमिका में लोगों को काफी पसंद आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी दौरान ही दोनों में नजदीकियां बढ़ीं।

# एआर मुरुगादॉस की 16 अगस्त, 1947 का ट्रेलर जारी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता गौतम कार्तिक मौजूदा वक्त में अपनी फिल्म 16 अगस्त, 1947 को लेकर चर्चा में हैं। अब मंगलवार को निर्माताओं ने 16 अगस्त, 1947 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसकी कहानी बेहद दिलचस्प लग रही है। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह काफी बढ़ गया है। यह फिल्म 7 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। 16 अगस्त, 1947 तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी, मलयालम और अंग्रेजी में रिलीज होगी। गजनी और होलीडे जैसी फिल्में देने वाले जाने-माने निर्देशक एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म में एक पूर्ववर्ती गांव की आकर्षक कहानी दिखाई गई है, जहां एक बहादुर व्यक्ति भारतीय स्वतंत्रता के दौरान अपने प्यार के लिए ब्रिटिश ताकतों से लड़ता है। यह फिल्म हमारे स्वतंत्रता संग्राम की एक अनदेखी और अनसुनी कहानी बताती है। इसमें गौतम के अलावा रेवती और पुगाज भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर दिखाता है कि कैसे सेंगाडु के निर्दोष ग्रामीणों को ब्रिटिश सेना द्वारा निर्दयता से प्रताड़ित किया जाता है। लेकिन जैसे ही एक आदमी इन दुष्ट शासकों के खिलाफ उठने का फैसला करता है, वैसे ही आजादी हासिल करने की दिशा में एक क्रांति शुरू हो जाती है।क्या सेंगाडु के ग्रामीण अंग्रेजों के खिलाफ लड़ पाते हैं? या वे इन खतरनाक खलनायकों द्वारा कुचल दी जाते हैं? इस रोमांचक ट्रेलर के अंत तक फैन्स के पास यह सवाल बचा रह जाता है।

# ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे कलाकार के तौर पर चुनौती दें : अदिति शेट्टी

भाग्यलक्ष्मी और नागिन 6 जैसे शो का हिस्सा रहीं टीवी अदाकारा और मॉडल अदिति शेट्टी फिलहाल धर्मपत्नी में नजर आ रही हैं और एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें टीवी पर अलग-अलग तरह के रोल एक्सप्लोर करना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि उनके शो धरमपत्नी में उनका किरदार परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और वह इसे पसंद करती हैं। उन्होंने कहा- एक अभिनेता के रूप में, मेरा लक्ष्य सिर्फ विभिन्न भूमिकाएं निभाना है। मैं ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें और मुझे हर दिन बढ़ने और सीखने में मदद करें। धरमपत्नी में काव्या का किरदार मेरे लिएअद्भुत यात्रा रही है, एक कलाकार के रूप में मैंने बहुत कुछ सीखा है और यह मेरे लिए एक पुरस्कृत अनुभव रहा है। मैं असल जिंदगी में काव्या जैसी नहीं हूं और जब मैं काव्या का किरदार निभा रही हूं तो मुझे पूरी तरह से अलग जिंदगी जीने का मौका मिल रहा है। मैं इस भूमिका को पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं और इसके साथ न्याय कर पाना मेरा उद्देश्य है। यह कहने के बाद, मैं मुख्य भूमिका के साथ-साथ मजबूत सकारात्मक भूमिकाओं की प्रतीक्षा कर रही हूं क्योंकि मैं एक अभिनेता के रूप में इसे लेने और इसके साथ न्याय करने के लिए तैयार और आश्वस्त महसूस करती हूं।वह किस तरह के रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाहती हैं, इस बारे में बात करते हुए वह कहती हैं- मैंने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और उस समय, मुझे उससे संबंधित शो करने में बहुत दिलचस्पी थी। इसलिए मैं इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल का हिस्सा थी। मुझे लगता है कि जिस शो में मुझे अपने व्यक्तित्व को दिखाने का मौका मिलेगा वह रोमांचक होगा। हो सकता है कि बिग बॉस मुझे परखने के लिए अच्छा होगा कि मैं कुछ स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करती हूं।वह कहती हैं, टीवी अभिनेता होने के बारे में सबसे बड़ा प्लस वह प्यार है जो आपको मिलता है- यह बहुत अभिभूत करने वाला है कि दर्शक आपको कितना प्यार देते हैं। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत खुशकिस्मत हूं। अभिनय मेरा जुनून है। जागना और अपनी पसंद का काम करना दुनिया का सबसे अच्छा अहसास है। मुझे कैमरे के सामने रहना और परफॉर्म करना बेहद पसंद है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ इस तरह के अद्भुत अवसर प्राप्त करने के लिए मुझे प्रेरित करता है। मेरा परिवार और दोस्त मेरा काम देखना पसंद करते हैं और उन्हें खुश देखना और अपने दर्शकों का मनोरंजन करना हर दिन बेहतर करने की मेरी अंतिम प्रेरणा है।

# रणवीर सिंह ने हाथ पकड़ना चाहा तो दीपिका ने दिया ऐसा अजीब रिएक्शन

बीती रात मुंबई में इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स के चौथे संस्करण के रेड कार्पेट पर बॉलीवुड की कई हस्तियां स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। खेल जगत के हीरोज को पुरस्कृत करने के लिए एंटरटेनमेंट के कुछ बहुत लोकप्रिय नाम मौजूद थे। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने भी रेड कार्पेट पर स्टाइलिश एंट्री की। हालांकि, फैंस उनके बीच की केमिस्ट्री देखकर थोड़ा परेशान हैं.. क्योंकि इवेंट में जब रणवीर ने दीपिका का हाथ पकड़ने की कोशिश की तो दीपिका ने उन्हें इग्नोर कर दिया और आगे बढ़ गईं। सोशल मीडिया पर एक पैपराजी अकाउंट द्वारा शेयर किए गए वीडियो में दीपिका और रणवीर को इवेंट में आते देखा जा सकता है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दीपिका कार से निकलती हैं और रेड कार्पेट पर एंट्री करने से पहले कुछ लोगों से बात करती हैं। आगे बढ़ते हुए रणवीर दीपिका के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाते हैं, लेकिन वो रणवीर को इग्नोर कर देती हैं। रणवीर बाद में आगे बढ़ते हैं और दोनों रेड कार्पेट पर पोज़ देते हैं।

चोर निकल के भागा

# रोमांच का भरपूर डोज, बोर होने का मौका नहीं देती फिल्म

यामी गौतम पिछली बार फिल्म लॉस्ट में नजर आई थीं, जिसमें उनके अभिनय की खासी तारीफ हुई थी। पिछले काफी समय से दर्शक उनकी फिल्म चोर निकल के भागा की राह देख रहे थे। अब दर्शकों का यह इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। फिल्म 24 मार्च को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। फिल्म में यामी के साथ अभिनेता सनी कौशल मुख्य भूमिका में हैं और अजय सिंह इसके निर्देशक हैं।फिल्म में यामी (नेहा) फ्लाइट अटेंडेंट की भूमिका में हैं, वहीं सनी कौशल(अंकित) एक यात्री के किरदार में हैं। अंकित पहली ही नजर में नेहा को दिल दे बैठता है। दोनों जगह-जगह टकराते हैं। मुलाकातों का सिलसिला बढ़ता है और फिर होती है उनके बीच प्यार की शुरुआत। दोनों माता-पिता बनने वाले हैं और साथ जिंदगी बिताने को उत्साहित हैं, लेकिन उनकी खुशियों को नजर तब लगती है, जब एक कर्ज के कारण अंकित बड़ी मुसीबत में फंस जाता है। अंकित पर कुछ लोग हीरों की चोरी करने का दबाव डालते हैं। अपनी जान बचाने के लिए अंकित और नेहा मिलकर चोरी की योजना बनाते हैं, वो भी जमीन से 40,000 फीट ऊपर यानी प्लेन में, लेकिन दांव तब उल्टा पड़ जाता है, जब चोरी करने से पहले ही प्लेन हाइजैक कर लिया जाता है। प्लेन हाईजैक कौन करता है? असली चोर कौन है? अंकित-नेहा का क्या होगा? ऐसे कई सवालों के जवाब आपको फिल्म देखने के बाद ही मिलेंगे। यामी को देख हम तो यही कहेंगे कि ओटीटी पर उन्होंने अपनी सीट पक्की कर ली है। डर, चिंता, बेबसी, गुस्सा हर बदलते भाव के साथ चेहरे का रंग बदलना अभिनय में उनकी परिपक्वता का सबूत है। सनी ने भी अपने अभिनय का कौशल दिखाया है। चोर के किरदार में वह जंचे हैं। सेकेंड हाफ में इनवेस्टिगेटिंग ऑफिसर बन एंट्री करने वाले शरद केलकर फिल्म में सरप्राइज पैकेज की तरह हैं। उनके बोलने का अंदाज भी दिल जीत लेता है। अजय सिंह का निर्देशन वाकई काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने फिल्म में ट्विस्ट इतने डाले हैं कि एक ही प्लेन में फिल्माई गई कहानी भी बोर नहीं करती। शुरुआत से लेकर अंत तक निर्देशक ने एक लय पकड़कर रखी। जबरदस्ती के सीन उन्होंने फिल्म में नहीं ठूंसे। कहानी सधी हुई है और कहानी के हिसाब से किरदार भी निर्देशक ने कमाल के चुने। सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों से जितने रोमांच की उम्मीद की जाती है, उसमें यह काफी हद तक खरी उतरती है। फिल्म के संगीत ने इसकी कहानी में जान फूंकने का काम किया। शुरुआत से ही बैकग्राउंड म्यूजिक ने कहानी का पूरा साथ दिया। बात करें सिनेमैटोग्राफी की तो दृश्यों को बखूबी कैमरे में कैद किया गया है। सिनेमैटोग्राफर की मेहनत फिल्म में साफ झलकती है। मनोरंजन से ताल से ताल मिलाती लगभग 1 घंटा 50 मिनट की इस फिल्म में कुछेक कमियां हैं, लेकिन वो खामियां ऐसी हैं, जिन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है। फिल्म में कलाकारों के संवादों पर और काम किया जा सकता था। फिल्म की कहानी में आपको मजबूती की कमी अखर सकती है। हालांकि, कहानी के जो ढीले हिस्से थे, तेज रफ्तार और रोमांस ने उन्हें कस लिया। इसकी घटनाएं ऐसे बांधे रखती हैं कि ढील खुद-ब-खुद बर्दाश्त हो जाती है।

# मच्छर जनित बीमारियों मलेरिया: डेंगू नियंत्रण के लिए साप्ताहिक अभियान शुरू

**ग्वालियर।** जिले में मच्छर जनित बीमरियों मलेरिया व डेंगू इत्यादि के नियंत्रण के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति व फेमिली हेल्थ इंडिया के

संयुक्त तत्वाधान में एम्बेड परियोजना के तहत विश्व मलेरिया दिवस 21 अप्रैल से जागरूकता सप्ताह शुरू हुआ। जागरूकता सप्ताह के प्रथम दिवस पर एम्बेड टीम द्वारा शहर की मलिन बस्तियों कांच मिल, घाटमपुर , वीरपुर, बारह वीघा , शीतला कालोनी, शुभाष नगर, गंगा विहार, कुञ्ज विहार, चन्दनपुरा, राजा मंढ़ी, रंगयाना आदि बस्तियों में जा कर गली गली में आम जन के साथ विशेष जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया। साथ ही स्थानीय लोगों को मच्छर से होने वाली बीमारियों और इनके खतरों से लोगों को अवगत कराया मच्छर की पैदाईश को कम करने के लिए आवश्यक सावधानियों जैसे घर के आसपास अनावश्यक जल भराव को रोकने, पानी को हमेशा ढक कर रखने, व पानी के बर्तनों मटका, टंकी, कूलर आदि की हर चौथे दिन पानी बदल कर सफाई करने आदि को अपनाने के लिये आम जनों को प्रेरित किया गया। लोगों को सलाह दी गई कि बुखार में लापरवाही जान पर भारी प? सकती है। इसलिए लोगों को बुखार आने पर तुरंत खून की जाँच कराने व मलेरिया होने पर पूरा इलाज कराएँ। इस अवसर पर संभाग समन्वयक एम्बेड परियोजना विजय मिश्रा व कंसलटेंट राजेश वर्मा ने बताया कि विश्व मलेरिया दिवस सप्ताह के दौरान 21 से 27 अप्रैल तक जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों जैसे रैली, शपथ, पदयात्रा, जनसंपर्क, जागरूकता बैठक आदि का आयोजन किया जावेगा जिसके मध्यम से लोगों को मच्छर व मच्छर से होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक किया जावेगा 7सप्ताह के प्रथम दिन आयोजित जागरूकता बैठकों में 220 लोगों में अपनी सक्रीय सहभागिता निभाई और मच्छरों व इनके होने वाली बीमारियों से बचाव के साधनों को अपनाने हेतु शपथ भी ली।

## लोकायुक्त पुलिस ने मकान निर्माण की अनुमति दिलवाने 30 हजार की रिश्वत लेते उपयंत्री दबोचा

**ग्वालियर/छतरपुर ।** लोकायुक्त पुलिस संगठन सागर ने आज उपयंत्री लोक निर्माण शाखा नगर पालिका छतरपुर को मकान निर्माण की अनुमति दिलवाने के एवज में तीस हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये पकडा है।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक सागर लोकायुक्त संगठन रामेश्वर सिंह ने बताया कि आवेदक उमेश चौरसिया पिता हरगोविंद चौरसिया ग्राम पिपट तहसील बिजावर एजिला छतरपुर ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की कि ग्राहकों के मकान निर्माण की परमिशन दिलवाने के एवज में उपयंत्री लोक निर्माण शाखा बाबूराम चौरसिया पुत्र जगन्नाथ चौरसिया ने तीस हजार रूपये की रिश्वत मांगी । आज जैसे ही नगर पालिका छतरपुर के निर्माण शाखा में आरोपी बाबूराम चौरसिया को रिश्वत की राशि तीस हजार रूपये दिये वैसे ही पास खडी लोकायुक्त पुलिस की टीम ने आरोपी को रंगे हाथों धर दबोचा। लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई में उपपुलिस अधीक्षक राजेश खेडे प्रफल्ल श्रीवास्तव , श्रीमती मंजू सिंह एवं विशेष पुलिस स्थापना का स्टॉफ विशेष रूप से मौजूद रहा। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी बाबूराम चौरसिया के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

## भारत तिब्बत सहयोग मंच की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

इंदौर मालवा प्रांत मैं आर. एस.एस. के मंच भारत तिब्बत सहयोग मंच की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

की गई। बैठक की अध्यक्षता मालवा प्रांत की अध्यक्ष सविता हरिशंकर पटेल ने की। संयोजन एवं संचालन हरिशंकर पटेल पूर्व पार्षद एवं गीता चौधरी ने की। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य भारत प्रांत की अध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट एवं मालवा प्रांत के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गणेश गोयल उपस्थित हुए। इस बैठक में रजत जयंती उद्घाटन एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के स्थापना दिवस के समारोह के आमंत्रण पत्र इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, सुमित्रा महाजन (पूर्व लोकसभा अध्यक्ष) एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के मालवा प्रांत संयोजक यशवर्धन सिंह को प्रदान किया। बैठक मैं हिमाचल प्रदेश धर्मशाला शहर में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस एवं रजत जयंती उद्घाटन समारोह के प्रचार प्रसार की योजनाओं पर चर्चा की गई एवं अन्य नीतियों पर चर्चा की गई।

## ऊर्जा मंत्री तोमर ने वार्ड 15 में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया

**ग्वालियर।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शहर के वार्ड-15 में विकास यात्रा के दौरान कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जन-जन के कल्याण और विकास की नई सौगातें देने के लिए हर घर तक यह विकास यात्रा पहुँच रही है। इस दौरान ऊर्जा मंत्री तोमर ने लगभग 66 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

शुक्रवार को उपनगर ग्वालियर में विकास यात्रा जती की लाइन से प्रारंभ होकर, बाल्मीक बस्ती, लाईन नम्बर-4 व 5, कल्लू काछी की बगिया, श्री कृष्ण नगर, सूर्य विहार, राठौर चौक, महेन्द्र नगर, आरसीएस स्कूल से होते हुए विजय नगर पहुँचे यात्रा का समापन किया गया। विकास यात्रा के दौरान मंत्री तोमर ने जती की लाइन में शा. प्रा. विद्यालय के 10 लाख रूपये की लागत से बनाये जा रहे अतिरिक्त भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे नौनिहालों को अच्छी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

मिले इसके लिए पटेल विद्यालय एवं कन्या विद्यालय फोर्ट रोड को सीएम राइज बनाया गया है। इसके साथ ही शिक्षा नगर विद्यालय को स्मार्ट स्कूल बनाया जा रहा है। तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर के सभी प्रा. शा. विद्यालयों को सीएसआर मद से उन्नयन करने का कार्य किया जा रहा है। इस क्षेत्र के निवासियों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मिले इसके लिए बिरला नगर प्रसूति गृह को 100 बिस्तरीय व सर्वसुविधा युक्त बनाया जा रहा है। विकास यात्रा के दौरान मंत्री तोमर ने आंगनवाडियों पर लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए। इसके साथ ही स्कूलों में पहुंचकर शिक्षकों का सम्मान भी किया और कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के पंजीयन के लिए शिविर तो आयोजित किए ही जा रहे हैं। साथ ही घर-घर जाकर ई-केवायसी के साथ पंजीयन का कार्य भी किया जा रहा है। जिससे एक भी बहना मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लाभ से वंचित न रह पाये। विकास यात्रा में बृजमोहन शर्मा, पार्षद देवेन्द्र राठौर, अरविंद राय, शैलेन्द्र चौहान, धर्मवीर राठौर, श्यामू बैस एवं जिला प्रशासन, नगर निगम व विद्युत के अधिकारी सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिये मुहिम, दो प्रतिष्ठानों से 66 सिलेण्डर जब्त

**ग्वालियर।** घरेलू गैस सिलेण्डरों के अवैध भण्डारण एवं दुरूपयोग को रोकने के लिये जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई कराई जा रही है। इस क? में एसडीएम ग्वालियर सिटी प्रदीप सिंह तोमर के नेतृत्व में गई टीम ने हजीरा स्थित दो प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही कर 66 सिलेण्डर जब्त किए हैं। इनमें घरेलू गैस के 58 और व्यवसायिक गैस के 8 सिलेण्डर शामिल हैं। इन दोनों प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक भीम सिंह तोमर ने बताया कि हजीरा में पटेल स्कूल के पास स्थित संजय राजपूत की दुकान से 35 घरेलू सिलेण्डर एवं 4 व्यवसायिक सिलेण्डर जब्त किए गए हैं। इसी तरह रसूलाबाद हजीरा स्थित उदय सिंह राजपूत की दुकान से 27 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 4 व्यवसायिक सिलेण्डर जब्त हुए हैं। साथ ही रीफिलिंग का सामान भी जब्त किया गया है। एसडीएम तोमर के नेतृत्व में कार्रवाई के लिये निकली टीम में नगर पुलिस अधीक्षक रवि भदौरिया, जिला प्रशासन एवं खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी शामिल थे।

## संतों को समर्पित संतामृत प्रवाह का विमोचन

ग्वालियर में संतों के द्वारा संतों को समर्पित ÷संतामृत प्रवाह÷ का विमोचन प्रेमभूषण महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ . इसका विमोचन शिंदे की चावनी पर चल रही कथा मे किया गया. इस किताब की लेखक प्रो ममता दुबे प्रोफेसर झालकारी बाई महाविद्यालय ग्वालियर एवं संपादक प्रो गीता नायक प्रोफेसर विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन है. इसको प्रकाशित एच आई पब्लिकेशन उज्जैन ने किया है. विमोचन के अवसर पर साधु संत एवं शहर के प्रमुख धर्मप्रेमी उपस्थित रहे. इसमें मंशापूर्ण हनुमान जी के गोपाल पंडित भी सम्मिलित हुए । प्रो ममता दुबे ने इस किताब को स्वर्गीय प्रो. विजय दुबे जी को समर्पित किया, जोकि शहर के जाने मैने धर्मप्रेमी थे।

## ग्वालियर योग महोत्सव की रंगारंग शुरुआत

ग्वालियर। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हार्टफुलनेस संस्था द्वारा तीन दिवसीय योग महोत्सव शुक्रवार को एलएनआईपीई के क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। पहले दिन पांच हजार से अधिक शहरवासियों, 500 पुलिसकर्मी , विद्यार्थियों ने योग्याभ्यास किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत कृपाल सिंह, संत ढोली बुआ महाराज, हार्टफुलनेस के ट्रस्टी संजय सहगल, क्षेत्रीय समन्वयक गजेंद्र गौतम, संभागीय आयुक्त दीपक सिंह, एलएनआईपीई के कुलपति पांडे जी, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति अविनाश तिवारी उपस्थित थे।

एलएनआईपीई के योग प्रशिक्षक ने मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये व्यायाम तथा मुद्रा अभ्यास कराये।

योगाभ्यास के बाद हार्टफुलनेस ट्रेनर गोरख पारुलकर ने प्राणाहूति से युक्त हार्टफुलनेस ध्यान कराया गया। इसमें पहले रिलेक्सेशन की विधि समझायी। पूरे शरीर को शिथिल करने की तकनीक बताई गई। ने ध्यान कराया। जिसमें अंतर्मन में ईश्वरीय प्रकाश की अनुभूति कराई गई। सभी ने इसे महसूस किया। इस अवसर परडीआईजी कृष्णा बेनी, डीआईजी रुचि वर्धन, सेवानिवृत संभागायुक्त एमबी ओझा, पीटीएस तिघरा की एसपी सुमन गुर्जर,डॉक्टर राहुल सप्रा जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर, जिले के समस्त योग प्रभारी,प्राचार्य एवं शिक्षक ब्रह्मकुमारी, पतंजलि योग समिति, भारतीय योग संस्थान समेत शहर की योग एवं सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रवि द्विवेदी तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक अर्चना शर्मा द्वारा किया गया।

## पाइप लाइन बिछाने के लिये खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने पर मंत्री कुशवाह ने जताई नाराजगी

ग्वालियर। नल-जल योजनाओं की पाइप लाइन बिछाने के लिये खोदी गई गाँवों के भीतर की सड़कों को दुरूस्त न किए जाने पर उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने शुक्रवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदारों से अभियान बतौर गाँवों की सड़कों की मरम्मत कराएँ, जो ठेकेदार इसमें आनाकानी करें उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राज्य मंत्री कुशवाह ने यह भी निर्देश दिए कि मुरार क्षेत्र के जिन गाँवों में नल-जल योजनाओं की पाइप लाइन डाली जा चुकी हैं पर टंकी का निर्माण नहीं हो पाया है, वहाँ गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर पम्प से पानी की आपूर्ति की जाए। साथ ही जो नल-जल योजनायें पूर्ण हो गई हैं उनका सतत निरीक्षण करें और यदि कहीं पर रूकावट हो तो उसे दूर कराएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास यात्रा के दौरान जिन नल-जल योजनाओं का भूमिपूजन किया गया था उनका काम भी जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। साथ ही जो मजरे-टोले नल-जल योजनाओं के दायरे में नहीं आते उनमें अतिरिक्त हैंडपम्प के जरिए पेयजल की व्यवस्था की जाए।

# पाइप लाइन बिछाने के लिये खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने पर मंत्री कुशवाह ने जताई नाराजगी

ग्वालियर 7 नल-जल योजनाओं की पाइप लाइन बिछाने के लिये खोदी गई गाँवों के भीतर की सड़कों को दुरूस्त न किए जाने पर उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने शुक्रवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदारों से अभियान बतौर गाँवों की सड़कों की मरम्मत कराएँ, जो ठेकेदार इसमें आनाकानी करें उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राज्य मंत्री कुशवाह ने यह भी निर्देश दिए कि मुरार क्षेत्र के जिन गाँवों में नल-जल योजनाओं की पाइप लाइन डाली जा चुकी हैं पर टंकी का निर्माण नहीं हो पाया है, वहाँ गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर पम्प से पानी की आपूर्ति की जाए। साथ ही जो नल-जल योजनायें पूर्ण हो गई हैं उनका सतत निरीक्षण करें और यदि कहीं पर रूकावट हो तो उसे दूर कराएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास यात्रा के दौरान जिन नल-जल योजनाओं का भूमिपूजन किया गया था उनका काम भी जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। साथ ही जो मजरे-टोले नल-जल योजनाओं के दायरे में नहीं आते उनमें अतिरिक्त हैंडपम्प के जरिए पेयजल की व्यवस्था की जाए। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान राज्य मंत्री कुशवाह ने जिले के सभी विकासखंडों में स्वीकृत, पूर्ण एवं अधूरी नल-जल योजनाओं की सूची भेजने के निर्देश कार्यपालन यंत्री पीएचई को दिए।

उन्होंने कहा इस सूची के आधार पर अगली बैठक में विस्तार से जिले की सभी नल-जल योजनाओं की समीक्षा की जायेगी। राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने मुरार ग्रामीण क्षेत्र में युद्ध स्तर पर खराब ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि किसी भी गाँव में आवश्यकता से कम क्षमता के ट्रांसफार्मर कदापि न लगाए जाएँ। कम क्षमता के ट्रांसफार्मर जल्दी फुकते हैं और आम जन में आक्रोश उत्पन्न होता है। इस प्रकार की प्रवृत्ति कतई बर्दाश्त नहीं होगी। राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को हुई बैठक में खासतौर पर मुरार विकासखंड के विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पीआईयू सहित अन्य निर्माण एजेन्सियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा स्वीकृत किए गए इस क्षेत्र के सभी निर्माण कार्यों के पूरे होने की कार्ययोजना प्रस्तुत करें। उन्होंने खासतौर पर निर्माणाधीन तानसेन तहसील भवन, हस्तिनापुर अस्पताल, बेरजा अस्पताल, मुरार तहसील भवन व अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का जिक्र इस अवसर पर किया । बैठक में जिला पंचायत के सदस्य डॉ. जितेन्द्र रावत तथा आलोक शर्मा व राजू खटीक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे, कार्यपालन यंत्री पीएचई जागेश श्रीवास्तव, जनपद पंचायत के सीईओ राजीव मिश्रा व विद्युत वितरण कंपनी एवं अन्य निर्माण विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478